दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 144 | सीकर, गुरुवार 23 जुलाई 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

हाई-वोल्टेज प्रदर्शन

राहुल गांधी के विरोध में कांग्रेस कार्यालय घेरने निकली भाजपा पर पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

बैरिकेड तोड़ने की कोशिश, पुलिस से धक्का-मुक्की

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के धरने, संसद की कार्यवाही बाधित करने तथा जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को जयपुर में प्रदेशव्यापी शक्ति प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्यालय से कांग्रेस प्रदेश कार्यालय की ओर हजारों कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने चौमूं हाउस सर्किल पर बैरिकेडिंग कर मार्च को रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई तथा स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। प्रदर्शन के कारण गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे और आसपास के क्षेत्रों में यातायात प्रभावित रहा तथा वाहनों की लंबी कतारें लग गई। मौके पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा और अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया।

भाजपा कार्यालय से निकला विशाल मार्च

भाजपा प्रदेश कार्यालय से निकले जुलूस में प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी, भूपेंद्र सैनी, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक कालीचरण सर्राफ, गोपाल शर्मा, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष शंकर गोरा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति और युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लिए कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़े लेकिन चौमू हाउस सर्किल पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया।

बैरिकेड्स पर चढ़े कार्यकर्ता, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

पुलिस द्वारा रोके जाने पर कई कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। पहले पुलिस ने समझाइश की लेकिन भीड़ के नहीं मानने पर वाटर कैनन से पानी की तेज बौछार की गई। पानी की बौछार के बावजूद कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी पूरी तरह भीग गए लेकिन उन्होंने वहीं खड़े होकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया।

राहुल गांधी ने संसदीय परंपराओं को किया कलंकित

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी का धरना भारतीय संसदीय परंपराओं के विपरीत है और इससे लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि 56 वर्ष की आयु में भी राहुल गांधी की राजनीति बचकानी है। वे अपनी बातों पर टिकते नहीं और केवल राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़ा करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक विरोध का सम्मान करती है लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। राठौड़ ने आरोप लगाया कि पेपर लीक के नाम पर दिल्ली में चलाया गया आंदोलन छात्रों का आंदोलन नहीं बल्कि सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र था। उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों में भर्ती घायलों की जानकारी लेने पर उनमें कोई भी छात्र नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए कश्मीर, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से बाहरी लोगों को बुलाया गया।

महिला पत्रकारों के साथ अभद्रता की निंदा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दिल्ली में आंदोलन के दौरान मीडिया की महिला कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार और अशोभनीय घटनाएं हुई। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर इस प्रकार का आचरण किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

भाजपा का दावा- संवाद के लिए सरकार हमेशा तैयार

राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार संसद में चर्चा और संवाद के लिए हमेशा तैयार रही है लेकिन विपक्ष ने चर्चा छोड़कर टकराव का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान, लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा अराजक राजनीति का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देती रहेगी।

प्रदर्शन के बाद संगठन महामंत्री ने जताया आभार

प्रदर्शन समाप्त होने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उल्लंघन कर रहा है जबकि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों पर जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया।

धर्मेंद्र प्रधान के बचाव में उतरी भाजपा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को भी राजनीतिक बताया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय संस्कृति, इतिहास और महापुरुषों को शिक्षा व्यवस्था में उचित स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, तेजाजी महाराज और देवनारायण जैसे महापुरुषों को पाठ्यक्रम में सम्मानजनक स्थान देने का कार्य किया गया है, जिससे विपक्ष असहज है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसी कारण शिक्षा मंत्री को निशाना बना रहा है।

शेखावाटी की सांस्कृतिक विरासत की अनदेखी उचित नहीं : ओला

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला ने लोकसभा में अतारांकित प्रश्न के माध्यम से शेखावाटी के सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन का मुद्दा लोकसभा में उठाया। सांसद ने कहा कि मेरे प्रश्न के जवाब में भारत सरकार का जवाब अत्यंत निराशाजनक है। सरकार ने अपने उत्तर में स्पष्ट कर दिया है कि शेखावाटी विरासत, सांस्कृतिक विरासत, कला आदि के संरक्षण के लिए शेखावाटी क्षेत्र के लिए कोई अलग योजना, विशेष वित्तीय सहायता अथवा नई पहल सरकार के विचाराधीन नहीं है। सांसद ने कहा कि शेखावाटी अपनी विश्वविख्यात भित्तिचित्रों, भव्य हवेलियों, ऐतिहासिक किलों, मंदिरों, लोककला, लोकसंगीत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के कारण देश-विदेश में विशिष्ट पहचान रखता है। यह विरासत केवल राजस्थान की धरोहर नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सांसद ओला ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि शेखावाटी क्षेत्र के लिए विशेष सांस्कृतिक संरक्षण, विरासत भवनों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए पर्याप्त कदम उठाने चाहिए, नियमित सांस्कृतिक महोत्सव शेखावाटी में ही आयोजित किए जाए, स्थानीय कलाकारों एवं लोककलाओं को प्रोत्साहन देने हेतु विशेष योजनाएँ प्रारंभ की जाएँ तथा शेखावाटी की कला, संस्कृति और पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए भी समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते शेखावाटी की अमूल्य विरासत के संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियाँ देश की इस अनमोल सांस्कृतिक धरोहर से वंचित हो सकती हैं। इसलिए केंद्र सरकार को इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

25 साल से जलभराव का अभिशाप

करोड़ों का नुकसान हुआ, फिर भी प्रशासन मौन

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। राजस्थान की शिक्षा नगरी सीकर का सबसे व्यस्त मार्ग नवलगढ़ रोड, पिपराली रोड पिछले 25 वर्षों से जलभराव, दलदल और गंदगी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। हजारों छात्र-छात्राएं, व्यापारी और आमजन हर साल इस परेशानी का सामना करते हैं लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। सबसे दुखद पहलू यह है कि पिछले वर्ष इसी जलभराव में पैर फिसलने से पढ़ाई के लिए सीकर आए एक नाबालिग छात्र की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई थी। इसके बावजूद प्रशासन की नींद नहीं टूटी। हर वर्ष सैकड़ों राहगीर, छात्र-छात्राएं और वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। बारिश के दिनों में बच्चों की पढ़ाई तक बाधित हो जाती है और कोचिंग तक पहुंचना जोखिम भरा बन जाता है। पिछले 25 वर्षों में हजारों वाहनों के इंजन सीज हो चुके हैं जबकि व्यापारियों और आमजन को करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। आसपास की दुकानों में कई-कई फीट तक पानी भर जाता है, जिससे लाखों रुपये का सामान खराब हो जाता है और जान-माल दोनों का खतरा बना रहता है। हाल ही में सफाई के नाम पर नाले और चैंबर खुले छोड़ दिए गए, जिनमें दो बुजुर्ग गिर गए। स्थानीय लोगों ने बड़ी मुश्किल से उन्हें बाहर निकाला। यह घटना प्रशासन की लापरवाही की गंभीर तस्वीर पेश करती है। बारिश का पानी उतरने के बाद नवलगढ़ रोड और पिपराली रोड से बहकर आया कीचड़, मलबा और दलदल नवलगढ़ पुलिया के पास जमा रहता है लेकिन प्रशासन इसकी नियमित सफाई तक सुनिश्चित नहीं कर पा रहा।

दूसरी ओर पुलिस थाने की तरफ सड़क को ढाई से तीन फीट ऊंचा बना दिया गया जबकि व्यापारियों की ओर जाने वाला मार्ग करीब तीन फीट नीचे रह गया। नतीजा यह है कि सारा पानी, कीचड़ और गंदगी व्यापारिक क्षेत्र में जमा हो जाती है, जिससे हर दिन विद्यार्थी, बुजुर्ग और स्थानीय लोग परेशान होते हैं। इस समस्या के विरोध में पिछले वर्ष स्थानीय व्यापारियों ने लगातार 85 दिनों तक धरना दिया था। आंदोलन के बाद सरकार ने 13 करोड़ रुपये के बजट को भी स्वीकृति दी। उस समय नेताओं और मंत्रियों ने दावा किया था कि अब यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी और लोगों की पीढ़ियों का काम हो गया लेकिन आज भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। न तो निर्माण कार्य पूरा हुआ और न ही जनता को राहत मिली। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने कई बार जिला कलेक्टर, नगर परिषद और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिले। चुनाव के समय यह मुद्दा बड़े-बड़े भाषणों और वादों में जरूर दिखाई देता है लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता की पीड़ा और जलभराव दोनों को भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन आमजन की समस्याओं पर आंखें मूंदकर बैठा है ? क्या व्यवस्था केवल वीआईपी सड़कों को चमकाने तक सीमित रह गई है ? शिक्षा नगरी का सबसे व्यस्त विद्यार्थी मार्ग वर्षों से बदहाल है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि समाधान के बजाय केवल आश्वासन दे रहे हैं। अब सवाल जनता का है-25 साल से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान आखिर कब होगा ? क्या प्रशासन किसी और हादसे का इंतजार कर रहा है ?

झुंझुनू-सीकर रोड पर जलभराव

बिजली विभाग का रास्ता बंद, डंडा कूदकर और ट्रैक्टर से दफ्तर पहुंचे लोग

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। झुंझुनू-सीकर रोड पर बिजली विभाग कार्यालय के सामने बारिश का पानी भरने से लोगों और कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर करीब दो फीट तक पानी जमा होने से कार्यालय का मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। हालात ऐसे बन गए कि कर्मचारियों को पीछे के रास्ते से एक प्लॉट के अंदर लगे डंडे को कूदकर कार्यालय पहुंचना पड़ा जबकि बाद में लोगों को ट्रैक्टर के जरिए पानी भरे रास्ते को पार कराया गया। जानकारी के अनुसार सीकर रोड पर इन दिनों सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। पुराने डामर को हटाने के बाद सड़क के एक हिस्से पर सीसी सड़क का निर्माण किया गया है जबकि दूसरे हिस्से में खुदाई और अधूरा निर्माण होने के कारण बारिश का पानी जमा हो गया। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क पर करीब दो फीट तक पानी भर गया और बिजली विभाग कार्यालय का मुख्य प्रवेश मार्ग बंद हो गया। सुबह कार्यालय पहुंचने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ बिजली संबंधी कार्य से आए उपभोक्ताओं को भी काफी परेशानी उठानी पड़ी। कई कर्मचारी पीछे के रास्ते से होकर एक प्लॉट में लगे डंडे को पार कर कार्यालय पहुंचे। वहीं आम लोगों के लिए भी कार्यालय तक पहुंचना मुश्किल हो गया। स्थिति को देखते हुए निर्माण एजेंसी के ठेकेदार ने अस्थायी व्यवस्था के तौर पर सड़क किनारे ट्रैक्टर लगाया। ट्रैक्टर की सहायता से कर्मचारियों और आम लोगों को पानी भरे हिस्से को पार कराकर बिजली विभाग कार्यालय तक पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है। इसी कारण हर बारिश में सड़क पर जलभराव हो जाता है और आमजन के साथ सरकारी कर्मचारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने निर्माण कार्य जल्द पूरा करने और स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

कोबरी-सार

छात्राओं को साइबर अपराध एवं सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। स्थानीय श्री गिरधारी लाल शिवनारायण टांटिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरदारशहर में छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरदारशहर पुलिस थाने के महिला अधिकारिता विभाग की विधि परामर्शदाता अधिवक्ता रितु राठौड़ एवं सामाजिक परामर्शदाता तारा शर्मा ने छात्राओं को साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सतर्क रहने, अज्ञात लिंक, कॉल एवं संदेशों से बचने, ओटीपी, पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को साइबर अपराधों के बदलते तरीकों से भी अवगत कराया गया और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार पारीक, उप प्रधानाचार्य राजकुमार माली, शिक्षिका नीलम चौधरी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्टेशन से लेकर शास्त्री प्याऊ तक छाया अंधेरा

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। शहर की रोड लाईट व्यवस्था इन दिनों बेपटरी है। जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड पर बस स्टैंड स्थित वेंकटेश्वर मंदिर से लेकर शास्त्री प्याउ तक बीओटी स्कीम के तहत तगाई गई रोड लाईट्स रात भर बंद रहती हैं। कुछ व्यापारियों ने बताया कि दो तीन दिनों से आधी स्टेशन रोड अंधेरे में पड़ी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। लोगों का कहना है कि जब मुख्य सड़कों की ये हालत है, तो गलियों मोहल्लों में तो कौन ही धणी धोरी होगा। दूसरी ओर इस बारे में नगरपरिषद के सहायक राजस्व अधिकारी तिलोकचंद ने बताया कि सम्बंधित संवेदक एजेंसी को पाबंद किया गया है। फाल्ट आने के कारण ये दिक्कत हो गई है, फाल्ट जल्द ठीक करने को कहा गया है, जल्द समस्या का समाधान होगा।

कलाकार एक फनकार अनेक में गूंजे सदाबहार तराने

बीकानेर (नवयत्न)। अमन कला केंद्र द्वारा बुधवार को लायंस क्लब पंचशती सर्किल बीकानेर में पार्श्व गायक मुकेश की जयंती व बीकानेर के जाने माने सिंगर एम रफीक कादरी का फिल्मी गीतों का एकल गायन कार्यक्रम कलाकार एक फनकार अनेक आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरविंद मिढ़ा उपाध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी थे, अध्यक्षता संयुक्त रूप से एन डी रंगा अध्यक्ष सखा संगम व रितेश अरोड़ा कंप्यूटर एजुकेशन डॉट कॉम ने की । विशेष आमंत्रित मेहमान इकबाल हुसैन समेजा डायरेक्टर होटल रॉयल थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ श्याम अग्रवाल एडॉ प्रवीण चतुर्वेदी एडॉ अच्युत त्रिवेदी, डॉ गौरव गोम्बर, डॉ नवनीत सुथार, डॉ हिमांशु दाधीच, डॉ आनंद बिनानी, वरिष्ठ पत्रकार सैयद अख्तर, पूर्व पार्षद श्याम तंवर, मोहम्मद सदीक चौहान एमास्टर अमीर थे । कार्यक्रम में एम रफीक कादरी, मोहम्मद रफीक, किशोर कुमार, मुकेश व अन्य कलाकारों के गीत पेश किये । कार्यक्रम में अहमद हारून कादरी, सुमन पंवार, गोपिका सोनी, सिराजुद्दीन खोखर, जावेद मिर्जा, विवेकानंद आर्य, डॉ नरेश पोपली, डॉ जय मुरली मनोहर, राजेंद्र बोथरा, डॉ प्रवीण चतुर्वेदी एडॉ भूपेंद्र तिवाड़ी, डॉ हिमांशु दाधीच, नदीम हुसैन, एम आर कुकरेजा, मनफूल पंवार ने बधाई स्वरूप युगल गीत पेश किए। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम आयोजक एम रफीक कादरी ने दी है।

तहसील अध्यक्ष बने राधेश्याम शर्मा

तारानगर (नवयत्न)। विप्र फाउंडेशन जोन-1बी, बीकानेर द्वारा वर्ष 2026-2028 के लिए राधेश्याम शर्मा को तारानगर का तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के विस्तार एवं समाजसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से की गई है। विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष शम्भू दयाल शर्मा द्वारा जारी इस नियुक्ति पत्र के अनुसार यह निर्णय प्रदेशाध्यक्ष धनसुख सारस्वत की अनुशंसा तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष सतीश शर्मा, जोन प्रभारी मुकेश रामपुरा, जोन उपाध्यक्ष विश्वनाथ के अनुमोदन के बाद लिया गया। राधेश्याम शर्मा की नियुक्ति पर विप्र समाज में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर भगवती प्रसाद शर्मा, पवन कुमार शर्मा, राजेंद्र शर्मा, राकेश दाधीच, संदीप ओझा, किशन शर्मा, सुभाष महर्षि, परमानंद महर्षि, श्याम सुंदर आचार्य, आचार्य देवजी, डॉ अशोक शर्मा, उमाशंकर शर्मा, राकेश मिश्रा, राकेश लाटा, विनोद शर्मा, दिनेश शर्मा, आईदान दाधीच, श्रीराम दाधीच, मनोहर लाल, इंद्रचंद शर्मा सहित विप्र समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

कांग्रेस का प्रदर्शन : शिक्षा मंत्री के इस्तीफे व छात्रों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने की उठी मांग

निसं

मंडावा (नवयत्न)। कस्बे में बुधवार को कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। नीट पेपर लीक प्रकरण तथा दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगरपालिका चौक पर एकत्र होकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व मंडावा विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष रीटा चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश के लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन मामलों में जवाबदेही तय करने में विफल रही है और युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। रीटा चौधरी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। साथ ही दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, संसद में इस गंभीर विषय पर चर्चा कराने तथा प्रधानमंत्री से देश के युवाओं से माफी मांगने की भी मांग उठाई। उन्होंने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसदों एवं छात्र प्रदर्शनकारियों पर की गई पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि युवाओं के हितों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष किरोड़ीमल पायल, पूर्व जिलाध्यक्ष सज्जन मिश्रा, पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी, शशि सैनी, नंदकिशोर यादव, अब्बास खान, शीशराम बुरड़क, महावीर पूनिया, अयूब खान बिसाऊ, हरिराम चेजारा, अजय कुमार सैनी, उस्मान खान, कृष्ण चावला, संजय रामगढ़िया, कमलेश मिश्रा, इकबाल खत्री, अरुण तोलासरिया, सुनील जोशी, तय्यब भाटी, महेश बुडानिया, शमशाद सीरियासर, मधुसूदन स्वामी, इलियास रंगरेज, गणपत सिंह मौजास, सगीर धोबी, भगवान सिंह बिरमी, मुन्ना धोबी, आलम खान, जॉन भाटीवाड़ा, पीताम्बर मिश्रा, बालकिशन शर्मा, ललित सोनी, सुनील सोनी, मांगीलाल सैनी, गोपाल चांवरिया, सुभाष चंदेलिया, फारुख मोम, वसीम खत्री सहित सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी का फूंका पुतला

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार एवं विधायक पूसाराम गोदारा के नेतृत्व में शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को स्थानीय घंटाघर के पास केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नीट जैसी बड़ी परीक्षाओं सहित लगभग 150 पेपर लीक होने के बावजूद केंद्र सरकार ने अब तक किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की है। साथ ही लोकतांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों एवं युवाओं पर दिल्ली पुलिस द्वारा की गई दमनात्मक कार्रवाई एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी एवं कांग्रेस सांसदों पर किया गया बर्बर हमले की भी कड़ी निंदा की गई। कांग्रेसजनों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, बेगुनाह छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमे वापस लेने, संसद में पेपर लीक प्रकरण पर विस्तृत चर्चा कराने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश से माफी मांगने की मांग उठाई। विधायक पूसाराम गोदारा ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं ने देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। युवाओं के हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन केंद्र सरकार इस गंभीर विषय पर जवाबदेही तय करने में विफल रही है। प्रदर्शन में गिरधारी लाल बांगड़वा, रमेश चंद इंदौरिया, अरविंद चाकलान, कल्याण सिंह, भंवर लाल जसैल, फकीर चंद दानोदिया, महेश पुरोहित, जसकरण गौड़, विद्याधर बबेरवाल, निरंजन तामडायत, अजय बंसिया, रामवीर राईका, भीष्म इंदौरिया, कयूम गौरी, विजय माली, मुख्तयार खान, देवकी माहीच, जगदीश सोनी, अनिल पारीक, महेंद्र एडवोकेट, जगदीश खटीक, आजम खान, संदीप भार्गव, बृजेश गहलोत, दिलीप सिहाग, अब्बास गौरी, नेमीचंद धतरवाल, असलम कुरैशी, फारुख खान, प्रदीप सैनी, चुनी लाल धतरवाल, किशोर बिजारणिया, इरफान तगाला, सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शिविर में हुआ समस्याओं का समाधान

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय नगरपरिषद कार्यालय में फोलो अॅप कैम्प शहरी सेवा शिविर के तहत वार्ड नं 03 व 04 तक का शिविर आयोजित किया गया। कार्यवाहक आयुक्त चारवी ने बताया कि शिविर में कृषि भूमि व 69ए के पट्टे की 08, पट्टा नवीनीकरण 05 पत्रावलियों का मौके पर निस्तारण किया गया। यूडी टैक्स के आवेदन 6, जीवीपी 07, सीवर कनेक्शन 07, नाली मरम्मत 02, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन पत्र 21, स्ट्रीट लाईट 08, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र 04, पीएम स्वनिधि 03, जन आधार अद्यतन, संशोधन, नये जोड़े गये सदस्य 40, वृक्षारोपण 200, आज जोड़े गये पेशनर्स की संख्या 03, शहरी रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत जॉबकार्ड 04 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनको मौके पर निस्तारित किया गया। शिविर में निवर्तमान पार्षद रिछपाल बिजारणिया, मनोज पारीक, पंकज घासोलिया, पुरूषोत्तम शर्मा, आसिफ नसवाण, निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि कमल दाधीच, मनीष दाधीच आदि ने उपस्थित होकर आमजन को शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

इस मौके पर शिविर प्रभारी सहायक नगर नियोजक उदय सिंह, कनिष्ठ अभियंता कमलेश कुमार साखुनिया, लेखाकार ओमप्रकाश खीचड़, वरिष्ठ लिपिक लोकेश जांगिड़ तथा कनिष्ठ लिपिक लोकेश सियोता, फायरमैन देविका, बबीता मीणा, रामनिवास जाट, सुनील विश्नोई, प्रमोद विश्नोई, मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी के एमआईएस मैनेजर कृष्ण शर्मा, लेखा सहायक सरिता बुडानिया व समस्त कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा अन्य विभागों के कार्मिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन कर फूंका पूतला

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सुजानगढ़ के गांधी चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मनोज मेघवाल के नेतृत्व में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी का विरोध जताते हुए नीट छात्रों के प्रदर्शन पर लाठीचार्ज को सरकार की साजिश बताया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री का पुतला जलाते हुए शिक्षा मंत्री को पद से हटाये जाने, लाठी चार्ज करने वालों पर कानूनी कार्यवाही करने पर प्रधानमंत्री द्वारा खेद जताये जाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष मनोज मेघवाल ने कहा कि यह देश में ऐसी पहली सरकार है जो देश के भविष्य पर लाठियां चला रही है और खुद ही पत्थर मंगवाकर देश का माहौल खराब कर रही है। सेवादल की महिला जिलाध्यक्ष डॉ योगिता सक्सेना ने कहा कि देश के बच्चों तक को सरकार नहीं बख्श रही, ये बच्चों को झूठे मुकदमों में फंसा रहे हैं, आखिर इनको देश से ज्यादा कुर्सी क्यों प्यारी लगती है। क्या देश बाद में है और कुर्सी ही धर्म है। आखिर शिक्षामंत्री का इस्तीफा क्यों नहीं लिया जा रहा है। देहात कांग्रेस के अध्यक्ष नरेंद्र बेनीवाल ने कहा कि प्रजातंत्र को खत्म करने का प्रयास करने वाले और कानून को मजाक समझने वाले लोगों को आने वाले समय में देश का युवा और जनता सबक सिखायेगी। इस अवसर पर अमित मारोठिया, विद्याधर बेनीवाल, पूर्व सभापति सिकंदर अली खिलजी, डॉ योगिता सक्सेना, निवर्तमान पार्षद विजय बटेसर, अमजद खान कायमखानी, कन्हैयालाल, इकबाल खान, युनूस खान हाशमखानी, रूपा प्रजापत, मुकुल मिश्रा, सुनील जैन सड्डावाला, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कांग्रेस के अध्यक्ष फारुख भुट्टा, मदन सोनी, चेनरूप गुर्जर, आवेश राव, बजरंग सेन, सुनीता रावतानी, अजय ढ़ेनवाल, सलीम, आसिफ नसवान, नरेंद्र बेनीवाल, सफी मोहम्मद, श्रीराम भामा, बिलाल भुट्टा, मोहम्मद असलम मौलानी, राजकुमार इंदौरिया, आमिर खान, प्रमिला राठी, रामचंद्र गोदारा, रेखाराम, गोपाल, ओंकारमल मेघवाल, मोहनलाल मेघवाल, तरुण सियोता, रफीक खींची, लालचंद बेदी, लियाकत अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन, प्रधानमंत्री का किया पुतला दहन

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड अधिकारी कार्यालय के बाहर बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से विरोध-प्रदर्शन किया गया। अखिल भारतीय किसान महासभा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना देकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोकुलचंद सैनी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। वहीं अखिल भारतीय किसान महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उपखंड अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की न्यायिक जांच कराने, दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने की मांग की गई। पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोकुलचंद सैनी ने बताया कि देश में अराजकता का माहौल बना हुआ है।

पेपर लीक होने से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है जब उसका विरोध किया जाता है तो लाठियां बरसा कर उन्हें दबाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने में पूरी तरह से नाकाम होने के बावजूद भी युवाओं पर दमनकारी नीतियां अपना कर युवाओं को जेल में बंद कर उनके भविष्य को खराब कर रही है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को बलपूर्वक दबाना उचित नहीं है और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान नगर अध्यक्ष निकेश पारीक, ब्लाक उपाध्यक्ष हजारीलाल सैनी, चंदगी राम, महावीर तोगड़िया, भूपेन्द्र सोढ़ा सहित बड़ी संख्या में किसान महासभा और कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाइक पर स्टंट करना युवक को पड़ा भारी

निसं

चूरू (नवयत्न)। शहर की सड़कों पर पावर बाइक से खतरनाक स्टंट करना एक युवक को महंगा पड़ गया। कोतवाली थाना पुलिस ने यातायात नियमों की खुलेआम अवहेलना कर आमजन की जान जोखिम में डालने के आरोप में तारानगर निवासी विजय कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने स्टंट में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर ली है। कोतवाली थाना अधिकारी गौरव खिड़िया ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से एक युवक शहर की विभिन्न सड़कों पर तेज रफ्तार में पावर बाइक चलाकर खतरनाक स्टंट कर रहा था। उसकी हरकतों से सड़क पर चल रहे लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही थी और दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई थी। पुलिस ने शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर युवक की पहचान की। जांच के बाद आरोपी विजय कुमार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया तथा स्टंट में इस्तेमाल की गई बाइक जब्त कर ली गई। थानाधिकारी गौरव खिड़िया ने बताया कि चूरू शहर में यह पहला मामला है जिसमें सड़क पर स्टंटबाजी कर लोगों की जान जोखिम में डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब केवल चालान ही नहीं बल्कि यदि किसी की लापरवाही से आमजन की सुरक्षा खतरे में पड़ती है तो उनके विरुद्ध आपराधिक मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि सड़कें स्टंट करने की जगह नहीं हैं। यातायात नियमों का पालन करें और अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी इस तरह की लापरवाही और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया पाटोत्सव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुरोहित जी के कटले स्थित प्याऊ पीपलेश्वर महादेव हनुमान मंदिर ट्रस्ट का 39वां पाटोत्सव सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम श्री श्री 1008 खोजीद्वाराचार्य श्री रामरिछपाल दास महाराज त्रिवेणी धाम के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। पाटोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान और भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा धर्मलाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर की सुख-समृद्धि, प्रदेश और समाज के कल्याण की कामना करते हुए अनुष्ठानों में भाग लिया। समाजसेवी विष्णु टाक ने बताया कि पाटोत्सव के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को दोना प्रसादी का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता निभाई।

॥ शोक - संदेश ॥

बड़े दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
हमारे पूजनीय पिताजी
चौधरी फूल सिंह दूलड़ (दादाजी)
का स्वर्गवास दिनांक 20 जुलाई 2026 को हो गया है।
जिनकी 07 दिवसीय बैठक 26 जुलाई 2026 तक निज निवास ग्राम- हनुमानपुरा (मण्डावा) पर रखी गई है।

शोकाकुलः राजन चौधरी (पत्रकार)- दुर्गावती, जितेन्द्र-मनोहरी, जनेश-सुनिता (पुत्र-पुत्रवधु), प्रमिल-महिपाल जी मील (पुत्री-दामाद), ज्योति-राहुल जी, रूचिका - अपूर्व जी (पौत्री-पौत्री दामाद), पावेल-पायल (पौत्र-पौत्रवधु), डिम्पल, आकाश, डॉ. रोमित (पौत्र-पौत्री) मिताक्ष (पड़पौत्र) एवं समस्त दूलड़ परिवार।

हनुमानपुरा (मण्डावा) मो.- 9414080218, 9414541680, 9414541682

भोपाल डकैती का इनामी नकबजन गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने संगठित अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के भोपाल में करोड़ों रुपये की डकैती के मामले में वांछित अंतर्राज्यीय नकबजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा भी बरामद किया गया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित जयपुर में किराये का कमरा लेकर फरारी काट रहा था और अपने अन्य फरार साथियों के साथ शहर में बड़ी वारदात की तैयारी कर रहा था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि झोटवाड़ा थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश के भोपाल में करोड़ों रुपये की डकैती के मामले में वांछित अंतर्राज्यीय नकबजन शाहरुख कुरैशी निवासी निशातपुरा जिला भोपाल, मध्य प्रदेश तथा नांगल पुलिया झोटवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित शातिर अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपित ने अपने करीब एक दर्जन साथियों के साथ मिलकर 26 दिसंबर 2025 को भोपाल के एक रिहायशी इलाके में हथियारों के बल पर करोड़ों रुपये की डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात के दौरान आरोपियों ने मकान में मौजूद पालतू कुत्तों को मांस खिलाकर उन्हें शांत कर दिया था ताकि किसी प्रकार का विरोध या शोर न हो सके। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपित जयपुर में किराये का कमरा लेकर रह रहा था और अपने फरार साथियों के साथ मिलकर शहर में बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस अब उसके अन्य साथियों और आपराधिक नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में वांछित अपराधियों और अवैध हथियार रखने वालों पर लगातार निगरानी रख रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दबिश देकर आरोपित शाहरुख कुरैशी को धरदबोचा। इस कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी रायसल सिंह, उपनिरीक्षक राम सिंह, हेड कांस्टेबल बलराम, मालीराम, तकनीकी शाखा के दिनेश कुमार तथा कांस्टेबल गजानंद, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह, अमित कुमार और सुरेश चंद शामिल रहे।

सेल्फ ड्राइव कंपनी के कार्यालय में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी के चित्रकूट थाना क्षेत्र में संचालित एक सेल्फ ड्राइव कार रेंटल कंपनी के कार्यालय में एक दर्जन से अधिक अज्ञात युवकों द्वारा घुसकर कर्मचारियों के साथ मारपीट और बाहर खड़ी थार गाड़ी में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कंपनी संचालक ने चित्रकूट थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। कंपनी संचालक सोनू चौधरी ने बताया कि उनकी सेल्फ ड्राइव कार रेंटल कंपनी के जयपुर में पांच कार्यालय संचालित हैं जिनमें दो मानसरोवर, एक टोंक रोड, एक एसबीआई चौराहा और एक चित्रकूट स्टेडियम के पास स्थित है। उन्होंने बताया कि 17-18 जुलाई की मध्यरात्रि को एक एक दर्जन से अधिक अज्ञात युवक चित्रकूट स्थित कार्यालय पहुंचे और कार्यालय में सो रहे दो कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट की और कार्यालय के बाहर खड़ी थार गाड़ी में तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस घटना के बाद कंपनी संचालक ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी और घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को उपलब्ध कराई। इसके बाद चित्रकूट थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। सोनू चौधरी ने आशंका जताई कि वारदात के पीछे रंगदारी की मांग हो सकती है। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है।

बाटा कंपनी के नाम से नकली फुटवियर बेचने वाला गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जामडोली थाना पुलिस ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण और नकली ब्रांडेड उत्पादों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाटा कंपनी के नाम से नकली जूते-चप्पल बनाकर ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर बेचने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जामडोली स्थित गोदाम पर दबिश देकर 659 जोड़ी नकली फुटवियर जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जामडोली थाना पुलिस ने बाटा कंपनी के नाम से नकली जूते-चप्पल बनाकर ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर बेचने वाले मुकेश कुमार शर्मा निवासी तुंगा जिला जयपुर एवं जामडोली को गिरफ्तार किया है। जामडोली थानाधिकारी रतन सिंह कविया ने बताया कि बाटा इंडिया लिमिटेड कोलकाता के अधिकृत प्रतिनिधि ललित कुमार ने जामडोली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि विजयपुरा रोड क्षेत्र में बाटा ब्रांड के नाम से नकली फुटवियर तैयार कर बाजार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचे जा रहे है। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने अहिंसा नगर विजयपुरा रोड स्थित मकान संख्या सी-18 पर संचालित जीनल एंटरप्राइजेज के गोदाम पर दबिश दी। तलाशी के दौरान गोदाम से बाटा कंपनी के नाम से तैयार 659 जोड़ी नकली जूते-चप्पल बरामद हुए। संचालक वैध बिल, वाउचर अथवा कंपनी की अधिकृत अनुमति से संबंधित कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने पूरा माल जब्त कर लिया। इस कार्रवाई करने वाली टीम में हेड कांस्टेबल राजेश कुमार तथा कांस्टेबल पवन कुमार, सूरज, राकेश और सोनू की विशेष भूमिका रही।

शुभम कुमार ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यग्रहण किया

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ के राजकीय महाविद्यालय में शुभम कुमार भीमसर ने मंगलवार को असिस्टेंट प्रोफेसर उर्दू साहित्य के पद पर कार्यग्रहण किया। इस मौके पर तहरीक ए उर्दू झुंझुनू के सदस्यों ने माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया। इस अवसर पर तहरीक ए उर्दू झुंझुनू के सदर अशफाक अली बिसाऊ, मोहम्मद मुजम्मिल खत्री, आबिद खान खोखर, वसीम अकरम, कय्यूम खान आदि उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण महाअभियान के तहत सैंकड़ों पौधों का हुआ रोपण

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चरला में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रणजीत भींचर के नेतृत्व एवं अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह मीणा तथा प्रधानाचार्य राधे श्याम मीणा, प्राचार्य डॉ कृष्ण कुमार जांगिड़, महेश कुमार, गोवर्धन लाल जांदू, जेठा राम मेघवाल एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा पीपल का पौधा लगाया गया। रणजीत भींचर द्वारा विद्यार्थियों को अधिकाधिक वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित किया। विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थियों तथा ग्रामवासियों द्वारा लगभग 500 पौधे लगाये गये एवं 600 पौधे विद्यार्थियों को वितरित किये गये। इस अवसर पर सावित्री गुर्जर, विमला स्वामी, सुनीता कुमारी, माया चौधरी, लक्ष्मी कंवर, लक्ष्मी कुमारी, रामचंद्र जाट, मामराज, मुबारिक खान, मोती लाल, बाबूलाल महारानियां सहित समस्त स्टाफ एवं ग्रामवासियों ने वृक्षारोपण किया और पर्यावरण बचाने की शपथ ली। इसी प्रकार एचआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुजानगढ़ में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा किशनलाल, बलदेव ढाका ने अवलोकन करने के बाद पौधरोपण किया। इस दौरान संस्था निदेशक धर्मराज बटेसर, प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह भदोरिया एवं कॉलेज प्राचार्य डॉ दिनेश कुमार उपस्थित रहे। संस्था निदेशक धर्मराज बटेसर ने बताया कि संस्था श्रेष्ठ शिक्षा, श्रेष्ठ संस्कार और हरित पर्यावरण की दिशा में लगातार कार्यरत है।

इसी प्रकार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सारोठिया के तत्वावधान में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत लगभग 1300 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही पीईईओ क्षेत्र के समस्त अधीनस्थ विद्यालयों में पौधे वितरित कर संबंधित विद्यालय परिसरों में उनका रोपण करवाया गया तथा सभी पौधों की जियो-टैगिंग भी सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने हेतु विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर व्याख्याता लक्ष्मण राम गोदारा, रामलाल कंसोटिया, दामोदर डंठूसिलिया, मूलाराम काताला, राजकुमारी मीना, सतपाल सिंह, जीवनदान देवल, सुमित्रा गोदारा, राजेन्द्र कुमार डूडी,

दिलीप सिंह राठौड़ एवं सोहनलाल मेघवाल सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त आदर्श युवा ग्रुप, सारोठिया के अध्यक्ष दीवान सेन सहित अनेक ग्रामीणजन, एसडीएमसी के सम्मानित सदस्यगण तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। संचालन पूसाराम स्वामी द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य पप्पूराम मीणा ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिवस का आयोजन नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण का संकल्प है।

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत लगाए 51 पौधे

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी हरियालो राजस्थान अभियान के तहत बुधवार को राजलदेसर तहसील कार्यालय परिसर में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन तहसीलदार प्यारेलाल चावला के सानिध्य में हुआ, जिसमें कर्मचारियों एवं उपस्थित जनों ने मिलकर परिसर में 51 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए। इस अवसर पर तहसीलदार प्यारेलाल चावला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन एवं घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का भी संकल्प ले। उन्होंने कहा कि एक पौधा केवल पेड़ नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध वातावरण और बेहतर भविष्य का आधार है। उन्होंने उपस्थितजनों एवं कर्मचारियों से पौधरोपण को केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रखने बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल

कर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण सुनिश्चित करे तो कस्बे को हराभरा बनाने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा सभी ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और हरित राजस्थान के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। उपस्थित जनों ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का भी आह्वान किया।

इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह, रामदेव, पटवारी गोपाल, ज्योति, विनोद भार्गव, शीशराम कस्वा, एडवोकेट रोहित मारू, परमानंद भामू, मोहन सिंह, नरेंद्र सिंह, अनुज सहित अन्य तहसील कार्यालय के स्टाफ मौजूद रहे।

नगर पालिका ने लगाए एक हजार पौधे

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी हरियालो राजस्थान अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बुधवार को नगर पालिका राजलदेसर द्वारा व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी सीताराम मीणा के नेतृत्व में कस्बे के सिमसीया रोड स्थित जोहड़ परिसर एवं राजकीय महाविद्यालय परिसर में लगभग एक हजार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी सीताराम मीणा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित राजस्थान का निर्माण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपने घर, खेत, संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधरोपण का कार्य लगातार जारी रहेगा तथा आगामी दिनों में 1000 अतिरिक्त पौधे भी लगाए जाएंगे ताकि कस्बे में हरित आवरण बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को और मजबूती मिल सके। कार्यक्रम के दौरान पौधों की सुरक्षा एवं उनके संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों की नियमित देखरेख का दायित्व निभाने का भरोसा जताया। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ एवं हरित शहर के निर्माण तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण तैयार करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तहसीलदार के स्थानांतरण पर दी भावभीनी विदाई

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे के तहसीलदार हरदीप सिंह के स्थानांतरण हनुमानगढ़ होने पर बुधवार को तहसील कार्यालय परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं तथा गणमान्य नागरिकों ने उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का आयोजन तहसीलदार प्यारेलाल मीणा के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान तहसील कार्यालय के कार्मिकों ने हरदीप सिंह का साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। वक्ताओं ने कहा कि उनका लगभग 11 माह का कार्यकाल प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता, जनसुनवाई और आमजन के प्रति संवेदनशील कार्यशैली के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर मोहन सिंह ने कहा कि हरदीप सिंह ने अपने कार्यकाल में राजस्व संबंधी कार्यों के त्वरित निस्तारण, आमजन की समस्याओं के समाधान तथा कार्यालयीन व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल राजलदेसर तहसील के लिए ऐतिहासिक रहा। निजी शिक्षण संस्थान के जिला अध्यक्ष एवं राजलदेसर गौशाला के उपाध्यक्ष भुवनेश्वर शर्मा ने कहा कि स्थानांतरण प्रशासनिक व्यवस्था की सामान्य प्रक्रिया है लेकिन कुछ अधिकारी अपने व्यवहार और कार्यशैली से लोगों के दिलों में स्थायी स्थान बना लेते हैं।

उन्होंने कहा कि हरदीप सिंह ने प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ गौसेवा, सामाजिक गतिविधियों तथा जनहित के कार्यों में भी सदैव सक्रिय भूमिका निभाई। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर युवा भारती स्टेडियम में आयोजित सामूहिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया, जो आने वाले समय में भी प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। एडवोकेट रोहित मारू ने कहा कि हरदीप सिंह के कार्यकाल में जनगणना, विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची सत्यापन सहित विभिन्न प्रशासनिक कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ। सीमित समय में भी उन्होंने पूरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर प्रशासनिक कार्यों में नई कार्यसंस्कृति स्थापित की। उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने हरदीप सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। हरदीप सिंह ने भी अपने संबोधन में राजलदेसर के नागरिकों, सहयोगी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां मिला सहयोग और आत्मीयता जीवनभर स्मरणीय रहेगी। श्री राजलदेसर गौशाला के द्वारा भी तहसीलदार हरदीप सिंह का दुपट्टा पहनाकर व गौ माता का प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर हुकमाराम, सुरेंद्र, रामदेव, गोपाल, विनोद भार्गव, ज्योति, एडवोकेट श्रवण मोडासरा, परमानंद, शीशराम कस्वा, नरेंद्र सिंह राठौड़, हड़मान सोनी, रतनलाल बारुपाल सहित अनेक व्यक्ति मौजूद रहे।

तालकटोरा में मिला लापता कैटरिंग व्यवसायी का शव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नाहरगढ़ रोड थाना क्षेत्र स्थित तालकटोरा में बुधवार सुबह 62 वर्षीय कैटरिंग व्यवसायी का शव तैरता मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तथा शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एएसआई राजकृष्ण ने बताया कि मृतक की पहचान गणगौरी बाजार निवासी मनमोहन शर्मा के रूप में हुई है, जो कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े थे। परिजनों ने एक दिन पहले उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। एएसआई ने बताया कि बीस जुलाई को मनमोहन शर्मा परिवार से नाराज होकर बिना बताए दिल्ली चले गए थे। परिजन उन्हें 21 जुलाई तड़के करीब 3:45 बजे दिल्ली से जयपुर लेकर आए। इसके बाद सुबह करीब 4:24 बजे वह फिर घर से निकल गए। सीसीटीवी फुटेज में वह ब्रह्मपुरी खर्रे से तालकटोरा की ओर जाते दिखाई दिए, जिसके बाद उनकी लोकेशन नहीं मिल सकी। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने तालकटोरा में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान मनमोहन शर्मा के रूप में की। थाना प्रभारी सज्जन सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है तथा मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस दिन मनमोहन शर्मा दिल्ली गए थे। उस दिन परिवार की ओर से नहर के गणेशजी मंदिर में जीमण का आयोजन था। उन्होंने बाद में अपनी कैटरिंग की कुछ बुकिंग भी रद्द कर दी थीं। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

साइड को लेकर दो पक्षों में विवाद, दो युवक गंभीर घायल

निसं

सिंघाना (नवयत्न)। सिंघाना थाना क्षेत्र के बुहाना मोड़ पर देर रात को गाड़ी को साइड देने की बात को लेकर दो गुटों के बीच कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई। घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर सिंघाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए झुंझुनू रैफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार मारपीट में हरियाणा के खैरोली निवासी जीतराम तथा सिंघाना थाना क्षेत्र के पालोता गांव निवासी देवेंद्र घायल हुए हैं। दोनों को पहले सिंघाना के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए झुंझुनू रैफर कर दिया। घटना के दौरान हरियाणा नंबर की एक ब्रेजा कार में भी जमकर तोड़फोड़ की गई। मारपीट और तोड़फोड़ के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया तथा क्षतिग्रस्त ब्रेजा कार को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच वाहन को साइड देने की बात को लेकर विवाद शुरू हुआ था जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट में लाठी-डंडों व अन्य वस्तुओं के इस्तेमाल की भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि वारदात में शामिल आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है तथा दोषियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से रिपोर्ट नहीं दी गई है, रिपोर्ट आने पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बीना ने पीएचडी उपाधि हासिल की

सिंघाना (नवयत्न)। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थमा रोगियों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में सिंघाना की बेटी डॉ बीना ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनका शोधकार्य डॉ जोशफीना बशीर के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। डॉ बीना ने अपने शोध में ग्रामीण क्षेत्रों के अस्थमा मरीजों के लिए विशेष सेल्फ मैनेजमेंट प्लान तैयार किया है। उनका कहना है कि इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से मरीजों को बार-बार अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता कम होगी तथा उनके स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता में सुधार आएगा। डॉ बीना की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजस्थानी फिल्म पगड़ी ऊंची, मूंछां पे मरोड़ के पोस्टर का हुआ विमोचन

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। राजधानी जयपुर में आयोजित ग्लैम ऑफ बॉलीवुड कार्यक्रम में राजस्थान की नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम में फिल्म मेकर सुरेश मुद्गल को जूरी सदस्य के रूप में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान एसआरके फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले तैयार किए जा रहे राजस्थानी गीत पगड़ी ऊंची रू मूंछां पे मरोड़, राजस्थानी रो कोई नी तोड़ का विमोचन किया गया। आयोजकों के अनुसार यह गीत राजस्थान की कला, संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत को दर्शाएगा। गीत को अभिषेक मिश्रा ने स्वर दिए हैं जबकि संगीत निर्देशन अमित ओझा का है। राहुल वर्मा कास्टिंग डायरेक्टर हैं। निर्माता व गीतकार डॉ भावना शर्मा हैं। गीत की परिकल्पना और निर्देशन की जिम्मेदारी संभाल रहे सुरेश मुद्गल ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 786 प्रतिभागियों की ऑनलाइन प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। इनमें से चयनित 16 प्रतिभागियों को ग्लैम ऑफ बॉलीवुड मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला।

सम्पादकीय

संसद में संवाद से ही निकलेगा गतिरोध, टकराव से नहीं चलेगा लोकतंत्र

यह एक आदर्श स्थिति है कि देश की संसद में विधायी कामकाज सामान्य तरीके से पूरा हो। इसे सुनिश्चित करने की जितनी जिम्मेदारी विपक्षी दलों की है, उससे ज्यादा बड़ा दायित्व खुद सरकार का है कि वह विवादित मुद्दों पर संवाद के जरिए आमराय बनाकर सदन का काम सुचारु रूप से पूरा होने की स्थितियां निर्मित करे।

इसमें वैसे मुद्दे भी शामिल हैं, जो देश में किन्हीं वजहों से अचानक खड़े हो जाते हैं और जनता की ओर से उन पर सरकार से जवाब की उम्मीद या मांग की जाती है। विपक्षी दलों का कर्तव्य है कि वे जनता की नुमाइंदगी करते हुए उनकी आवाज, उनके मुद्दों को संसद में उठाएं और सरकार से जवाब मांगें।

मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि सरकार को इस तरह की स्थितियों में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए अपनी ओर से पहल करना कोई गैर-महत्त्व की बात लगती है। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ता है। सवाल है कि देश की संसद अगर जनता के मुद्दों पर विचार और बहस के जरिए किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नहीं, तो आखिर किसलिए है!

गौरतलब है कि मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही इसलिए स्थगित कर दी गई कि विपक्षी दल सरकार से इस पर जवाब चाहते थे कि एक दिन पहले दिल्ली में संसद मार्च के आह्वान के तहत जुटे युवाओं पर जिस तरह की पुलिस कार्रवाई देखी गई, उसकी जिम्मेदारी तय हो।

मगर इसके बजाय दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुए हंगामे की वजह से कार्यवाही स्थगित कर दी गई। स्वाभाविक ही विपक्षी दलों को यह आरोप लगाने का मौका मिला कि हम पुलिस के अत्याचार, प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठी चलाने और उनके घायल होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने तथा गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने चर्चा का अवसर नहीं दिया, हमारा मुंह बंद करा दिया। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की ओर से अगर ऐसे सवाल उठाए जाते हैं, तो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। विडंबना यह है कि न तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करके कोई हल निकालने की कोशिश की गई और न ही संसद में इस मसले पर बहस के लिए सकारात्मक माहौल निर्मित किया जा रहा है।

सवाल है कि अगर सरकार को बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालना प्राथमिक और जरूरी नहीं लग रहा है, तो उसकी नजर में इसका क्या समाधान है। विपक्षी दल भी आम नागरिकों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर वे एक ज्वलंत मुद्दे पर बहस चाहते हैं और सरकार से जवाब मांग रहे हैं, तो इसे संवाद के रास्ते ही एक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सकता है। इसके बाद संसद में बाकी विधायी कामकाज भी सहजता के साथ निपटाए जा सकते हैं। मगर पिछले कुछ समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ज्यादातर मुद्दों पर मतभिन्नता सीधे टकराव का रूप लेने लगी है और सबसे आसान उपाय सदन को स्थगित करना मान लिया जाता है। क्या यह समस्याओं का हल तलाशने और जनभावनाओं को तुष्ट करने का कोई आदर्श उपाय हो सकता है? दोनों सदनों की कार्यवाही पर हर रोज करोड़ों रुपये का खर्च आता है। संसद की उपयोगिता का आधार लोकतांत्रिक संवाद ही है। अगर संवाद की जगह सिकुड़ेगी, तो लोकतंत्र कमजोर होगा और यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश की वास्तविक शक्ति लोकतंत्र में ही निहित है।

विशेष आलेख

लोकतंत्र में सख्ती नहीं, उदार संवाद उपयोगी

यह भी समझना ज़रूरी है कि हमारा आज का युवा सिर्फ हंगामा खड़ा करने में विश्वास नहीं करता, वह सूरत बदलने के लिए बेचैन है। इससे पहले कि उसका आक्रोश हताशा में बदल जाए, कुछ नहीं, बहुत कुछ सकारात्मक करने की आवश्यकता है। सरकार कब जागेगी?

वह मां अपनी तेरह-चौदह साल की बच्ची को लेकर राजधानी दिल्ली के 'प्रदर्शन-स्थल' जंतर-मंतर में आई थी। एक पत्रकार ने जिज्ञासा की तो उस मां ने कहा था, 'मैं अपनी बेटी को एक वास्तविकता से परिचित कराने लाई हूं—कल उसे भी अपने अधिकारों के लिए लड़ने की आवश्यकता पड़ेगी।'

वह मां अकेली नहीं थी, जो अपनी संतान के बारे में इस तरह सोच रही थी। और वह बच्ची भी अकेली नहीं थी, जो अपने भीतर संघर्ष का एक जज़्बा लेकर वहां पहुंची थी। उस दिन, जब सड़क से संसद तक पहुंचने की एक होड़-सी लगी थी युवाओं में, तो यह जज़्बा अपने पूरे उफान पर था। हां, उस दिन वहां राजधानी दिल्ली के ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों से भी हजारों 'कॉकरोच' इकट्ठे हुए थे। ये 'कॉकरोच' पिछले लगभग एक माह से अधिक समय से अपने अधिकारों के लिए और अपने भविष्य की सुरक्षा के लिए जंतर-मंतर पर बैठकर संघर्ष कर रहे थे। इस शांतिपूर्ण संघर्ष में कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कारगर अस्त्र—अनशन को अपना हथियार बनाया था। लद्दाख से आए सोनम वांगचुक का नेतृत्व मिला था इन युवाओं को।

एक मांग थी इन सबकी—देश की शिक्षा-व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाने वाली सरकार की नीतियों में बदलाव चाहते थे वे। देश का शिक्षामंत्री इन नीतियों का प्रतीक बना और देश के युवा यह मांग कर रहे थे कि वे स्थिति की जवाबदेही स्वीकार करें और अपने पद से इस्तीफा दें। पर देश की सरकार को यह स्वीकार नहीं था। ये युवा 6 जून से धरना दे रहे थे। हैरानी की बात यह है कि सरकार को न धरने की परवाह थी और न ही भूख हड़ताल पर बैठे प्रदर्शनकारियों की। शायद सरकार यह मानकर चल रही थी कि वे प्रदर्शनकारी थक जाएंगे और आंदोलन धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा। यदि यही सरकार की सोच थी, तो वह गलत थी। सही क्या था, यह सरकार और देश ने संसद के मानसून अधिवेशन के पहले दिन देखा। हजारों की संख्या में देश के छात्र-युवा सरकार को यह दिखाने के लिए एकत्र हुए थे कि 'नीट' जैसी परीक्षाओं में हुए घोटालों से वे अपने भविष्य को अंधकारमय पा रहे हैं। देखा जाए तो यह आंदोलन युवाओं के भविष्य की सुरक्षा की लड़ाई है। सरकार ने इसे बहुत हल्के में लिया था। हो सकता है, कल सरकार की यह असंवेदनशीलता युवाओं को थका दे, पर यह सवाल अपनी जगह बना रहेगा कि जनतांत्रिक व्यवस्था में कोई सरकार अपने ही युवाओं के प्रति इस तरह का रवैया कैसे अपना सकती है? हैरानी की बात यह भी है कि एक महीने से भी अधिक समय से चल रहे इस आंदोलन के प्रति हमारे मुख्यधारा के मीडिया ने भी लंबे समय तक उसे वह महत्व नहीं दिया, जो दिया जाना चाहिए था। हां, संसद तक पहुंचने की कूच वाले दिन हमारा मीडिया ज़रूर कुछ सक्रिय हुआ और तब देश को पता चला कि युवाओं का आक्रोश सचमुच उफान पर था।

संयोग की बात है कि जब राजधानी दिल्ली में देश के युवा अपनी व्यथा का प्रदर्शन कर रहे थे और न्याय की मांग कर रहे थे, तभी हमारे युवा वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष की खोज की कहानी में अपना योगदान दर्ज करवाया। प्रधानमंत्री ने इन युवा प्रतिभाओं को बधाई देते हुए देश की युवा शक्ति की उपलब्धियों और संभावनाओं का बखान किया। प्रशंसा के पात्र हैं हमारे ये युवा वैज्ञानिक, पर उन युवाओं पर प्रधानमंत्री की निगाह क्यों नहीं गई, जो राजधानी में संसद के दरवाजे तक पहुंचकर अपनी पीड़ा उन तक पहुंचाना चाहते थे?

जब युवाओं की टोलियां संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रही थीं, तो एक तरफ संसद भवन के सारे दरवाजे बंद कर दिए गए और दूसरी ओर लाठियों तथा आंसू गैस के गोलों से उन्हें रोकने की कोशिश की गई। मीडिया की सहायता से सारे देश ने राजधानी की सड़कों पर छात्रों-युवाओं पर पुलिस की मार के दृश्य देखे। लाठीचार्ज में सैकड़ों छात्र-युवा घायल हो गए। पुलिस की ओर से इस हंगामे में घायल पुलिसकर्मियों की संख्या भी बताई गई। नहीं होना चाहिए था यह—न छात्र घायल होने चाहिए थे, न पुलिस वाले। पर सवाल, जो पूछा जाना चाहिए, वह यह है कि यह स्थिति क्यों आई? स्थिति के इस स्तर तक पहुंचने के बाद सरकार की ओर से युवाओं को बातचीत के लिए बुलाया गया। यह काम पहले क्यों नहीं हो सकता था? जनतंत्र में लाठी नहीं, संवाद हथियार होता है। हैरानी की बात है कि इस सारे हंगामे के दौरान सरकार को न सड़कों पर नारे लगाते युवा दिखे और न ही भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक और उनके युवा साथी।

हैरानी तो इस बात की भी है कि सरकार की ओर से यह कहना ज़रूरी समझा गया कि आंदोलनकारियों ने पहली बार बातचीत की पेशकश की है। क्या सरकार को इस बारे में पहल करने से किसी ने रोक रखा था? क्या सरकार का दायित्व नहीं बनता था कि वह आंदोलन कर रहे युवाओं तक पहुंचकर उनकी पीड़ा को समझने की कोशिश करती? क्या ऐसा करने से सरकार की इज्जत घट जाती? इस सारे प्रकरण में जो कुछ हुआ है, वह सरकार की असंवेदनशीलता को ही उजागर करता है। 'नीट' जैसी परीक्षाओं में हुई धांधली पहली बार हुई घटना नहीं है। अक्सर इस तरह के घोटाले सामने आते रहे हैं और अक्सर उनकी अनदेखी की जाती रही है। यह सही है कि इस बार 'नीट' की परीक्षा फिर से हो गई और माना जा सकता है कि सब ठीक हो गया है। पर यह तो स्वीकारना ही होगा कि हमारी शिक्षा-प्रणाली में कहीं न कहीं गड़बड़ी तो है, और इस गड़बड़ी के लिए किसी न किसी को अपना उत्तरदायित्व मानना ही होगा। बीस से अधिक छात्रों की आत्महत्या किसी भी एक मंत्री के इस्तीफे से कहीं अधिक गंभीर बात है। अब यदि 'कॉकरोच' कहे जाने वाले युवा शिक्षामंत्री के साथ-साथ प्रधानमंत्री के भी इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, तो उसका कारण भी स्थिति की गंभीरता को सरकार द्वारा न समझना ही होगा।

बहरहाल, छात्रों और युवाओं ने इस प्रकरण में अब तक सहनशीलता का ही परिचय दिया है। यह भी संभव है कि सरकार के अड़ियल रुख के चलते निकट भविष्य में यह आंदोलन समाप्त भी हो जाए। पर युवा पीढ़ी में जो पीड़ा और आक्रोश दिखाई दिया है, वह किसी भी उत्तरदायी सरकार के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि कितनी भी कोशिश कर लें, पर 'कॉकरोच' एक ऐसी प्रजाति है, जो खत्म नहीं की जा सकी है। जब तक इसे 'परजीवी' कहकर दुत्कारा जाता रहेगा, समस्या का समाधान नहीं होगा। पहले समस्या को समझना ज़रूरी है, और यही कोशिश वे नहीं कर रहे, जिनके कंधों पर समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने की जिम्मेदारी है। सवाल सिर्फ शिक्षा-प्रणाली में सुधार का नहीं, गरीबी, महंगाई और बेरोज़गारी जैसी उन समस्याओं को सुलझाने का भी है, जो आज के युवाओं को परेशान कर रही हैं।

आज का राशिफल

मेष
घर में शुभ-प्रसंगों का आयोजन होगा। आज शारीरिक मानसिक स्वस्थता का अभाव होगा। छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से परेशानी का अनुभव होगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ उग्र वाद-विवाद होगा। मानहानि न हो उसका ध्यान रखें।

वृष
आर्थिक लाभ होगा। प्रिय व्यक्ति की मुलाकात मन को आनंदित करेगी। नए काम या योजना स्वीकार करने के लिए अनुकूल दिन है। परिवार में सुख-शांति और परिजनों के साथ आनंद आज के दिन को खुशहाल बनाएंगे।

मिथुन
मानसिक चिंता से समस्याएं पैदा हो सकती है। आज का दिन शुभ फलदायी और लाभकारी है। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। पत्नी के पीछे खर्च होगा। अविवाहित लोगों का रिश्ता पक्का हो सकता है। व्यापार एवं नौकरी में आय बढ़ेगी।

कर्क
आज आपको सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में प्रसिद्धि मिलेगी। परिवार एवं दांपत्यजीवन में सुख-संतोष का अनुभव होगा। मौज-मस्ती और मनोरंजन से भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा मेल-जोल रहेगा।

सिंह
आज आपको वाणी और व्यवहार पर संयम रखने की जरूरत है। किसी की मजाक-मसखरी से परहेज करें। गलतफहमी हो सकती है। मनोरंजन के पीछे खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुर्घटना से बचें। दोस्तों के साथ अधिक घनिष्ठता अनुभव करेंगे।

कन्या
परिजनों और सगे-संबंधियों के साथ गलतफहमी या अनबन होगा। संयमित व्यवहार से अनर्थ से बचा जा सकेगा। आर्थिक लाभ और सामाजिक प्रतिष्ठा मिलने के साथ आप पारिवारिक जीवन में भी सुख-संतोष की भावना का अनुभव करेंगे।

तुला
आज आपकी रचनात्मक शक्तियां प्रकट होंगी। रचनात्मक कामों में आपकी रुचि रहेगी। वैचारिक दृढ़ता से आपके काम सफल बनेंगे। अलंकार, वस्त्र, मौज-शौक के साधन तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च करेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक
जल से परेशानी हो सकती है। पैसे खर्च होंगे। आज के दिन आप शरीर में ताजगी और चित्त की प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। मित्रों एवं स्वजनों के साथ पर्यटन का आयोजन होगा। मौज-शौक तथा मनोरंजन के पीछे खर्च होगा।

धनु
जीवनसाथी तथा प्रिय व्यक्ति का सानिध्य, रोमांचक और आनंददायक रहेगा। आज के दिन मौज-शौक और मनोरंजन के पीछे खर्च होगा। स्वास्थ्य के संबंध में शिकायत रहेगी। मन की चिंता की भावना रहेगी। दुर्घटना से बचें।

मकर
व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार के लिए भागदौड़ और वसूली हेतु प्रवास से लाभ होने की संभावना रहेगी। सरकार, मित्र तथा संबंधियों से लाभ होगा। गृहस्थ जीवन में आनंद का अनुभव होगा।

कुंभ
आय में वृद्धि और व्यापार में लाभ होगा। मनपसंद व्यक्ति के साथ सुखद क्षण गुजरेगा। मित्रों के साथ रमणीय स्थानों में पर्यटन का आयोजन होगा। अविवाहितों के लिए वैवाहिक योग बनेंगे। पत्नी तथा पुत्र से लाभ प्राप्ति की संभावना है।

मीन
आज आपकी मधुरवाणी का जादू अन्य लोगों को प्रभावित करेगा। कहीं घूमने जाने की संभावना है। मिष्टान्न के साथ मनपसंद भोजन मिलेगा। आयात-निर्यात के व्यापार में अच्छी सफलता मिलेगी। वाद-विवाद की आशंका बनी रहेगी।

स्वास्थ्य समाचार

हर समय बेचैन रहना या किसी काम में मन न लगना हो सकते हैं साइकोसिस के लक्षण

साइकोसिस एक किस्म मानसिक स्थिति है, जिसमें मरीज वास्तविक और काल्पनिकता के बीच भेदभाव नहीं कर पाता। इसे आप दूसरों शब्दों में इस तरह समझ सकते हैं कि साइकोसिस का मरीज का वास्तविक दुनिया से संपर्क टूटने लगता है यानी वह एक किस्म से भ्रम में रहने लगता है। यह कई तरह की मानसिक स्थिति में मौजूद हैं, जिसमें सिजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर शामिल हैं। साइकोसिस के मरीज असली और नकली दुनिया में फर्क नहीं कर पाते, इसलिए उनके सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। दुनिया को देखने का उनका नजरिया स्वस्थ लोगों से बिल्कुल अलग हो जाता है।

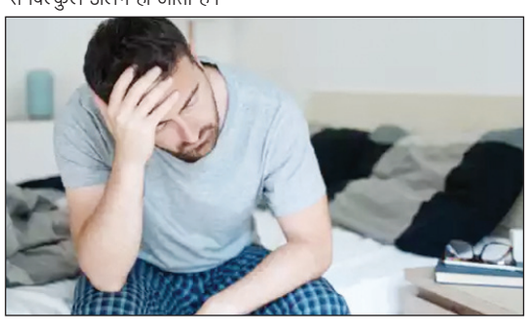

साइकोसिस के शुरुआती लक्षण

- नौकरी की परफॉर्मेंस में गिरावट आने लगती है।
- स्कूल में बच्चों के ग्रेड कम हो जाते हैं।
- ध्यान केंद्रित करने या स्पष्ट रूप से सोचने में मुश्किलें आने लगती हैं।
- दूसरों के आसपास रहने से बेचैनी होने लगती है।
- समाज से दूरी बनाने लगते हैं।

साइकोसिस के अन्य लक्षण

साइकोसिस के मरीजों में भिन्न लक्षण दिखाई दे सकते हैं। शुरुआती महीनों तो सहजता से इसके लक्षणों को देखकर इस समस्या का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। लेकिन विशेष परिस्थितियों के अनुसार लक्षणों और अनुभवों का अपना अनूठा सेट होता है, जिसमें मुख्य रूप से तीन लक्षण दिखाई देते हैं।

मतिभ्रम

व्यक्ति को मतिभ्रम तब होता है, जब व्यक्ति को ऐसी चीजें दिखाई, सुनाई देती हैं और ऐसी गंध वह सूंघता और स्वाद चखता है, जो असल जिंदगी में मौजूद ही नहीं होती हैं।

दृष्टि : ऐसे रंग या आकार को देखना या अपने आसपास उनलोगों को देखना, जो आसपास मौजूद नहीं हैं।

आवाजें : उन आवाजों को सुनना, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। ये आवाजें उसके अलावा किसी और को सुनाई नहीं देतीं।

स्पर्श : किसी के आसपास न होने पर भी उसका स्पर्श महसूस करना।

गंध : एक ऐसी गंध जिसे दूसरे लोग नहीं सूंघ सकते।

स्वाद : मुंह में कुछ न होने पर भी चीजों का स्वाद आना।

खाना दोबारा गर्म करने पर बनता है जहरीला केमिकल सेहत को पहुंचा सकता है नुकसान, खाना ऐसे रखें गर्म

सेहतमंद रहने के लिए हमेशा गर्म और ताजा खाना खाना चाहिए। लेकिन खाना इतना भी गर्म नहीं होना चाहिए कि यह आपके शरीर को नुकसान पहुंचाए। बता दें कि हल्का गर्म खाना खाने से यह आपके पाचन तंत्र में मौजूद एंजाइम को तेजी से रिलीज करने का काम करता है। इसके कारण खाना जल्दी पचता है और सेहत भी अच्छी बनी रहती है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तीनों समय गर्म खाना मिल पाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए लोग कई बार बासी खाने को गर्म करके खा लेते हैं। लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। खासतौर पर अंडा, आलू, चिकन और हरी सब्जियों को दोबारा गर्म करना खतरनाक होता है। क्योंकि इनको दोबारा गर्म करने से इनमें मौजूद पोषक तत्व जहर में बदल जाता है।

आलू में पनपते हैं बैक्टीरिया : आलू का कोई न कोई आइटम लंच में जरूर मौजूद होता है। कई बार आलू को हम दोबारा गर्म करके खाते हैं। लेकिन जानकारों के मुताबिक आलू को दोबारा गर्म किए जाने से इसमें मौजूद विटामिन सी, बी-6 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। पके हुए या उबले आलू को फिर से गर्म किए जाने पर क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नाम का बैक्टीरिया पनपने लगता है। जो फूड पॉइजनिंग का कारण बनता है। इसलिए आलू को पकाने के कुछ ही घंटों के अंदर इसका सेवन करना सही माना जाता है।

अंडे को नहीं करना चाहिए दोबारा गर्म : अक्सर हम सभी सुबह के नाश्ते के लिए अंडा या ऑमलेट बनाते हैं। वहीं कई बार इसे लंच के लिए भी रख लेते हैं और फिर बाद में गर्म करके खाते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि अंडे को दोबारा गर्म करने से इसमें मौजूद नाइट्रोजन कार्सिनोजेनिक में बदल जाता है। यह कई बार कैंसर का भी कारण बनता है। इसलिए अंडे को पकाने के फौरन बाद ही इसका सेवन कर लेना चाहिए।

प्रोटीन और नाइट्रेट वाला खाना : अधिकतर दोबारा गर्म किए गए हर खाने में केमिकल रिएक्शन होता है। लेकिन नाइट्रेट और प्रोटीन वाले खाने को दोबारा गर्म करना ज्यादा खतरनाक होता है। बता दें कि सोयाबीन और चिकन में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। लेकिन दोबारा गर्म किए जाने पर यह प्रोटीन टूटकर जहरीला बन जाता है। जिसके कारण कई बार फूड पॉइजनिंग भी हो जाती है। वहीं साग, चुकंदर, हरी सब्जियों और गाजर में नाइट्रेट पाया जाता है, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

ठंडे खाने में पनपते हैं कीटाणु : बता दें कि आलू, बिना पके हुए चावल और कई दूसरी सब्जियों में सूक्ष्मजीव होते हैं। जब इन चीजों को पकाया जाता है तो यह सूक्ष्मजीव खत्म हो जाते हैं। लेकिन जैसे ही यह फिर से ठंडा होता है तो पहले से ज्यादा तेजी से सूक्ष्मजीव पनपने लगते हैं। क्योंकि पहली बार ही खाना पकाने के दौरान कुछ पोषक तत्व टूट जाते हैं। जिसके बाद खाना ठंडा होने पर यह सूक्ष्मजीव फिर से पनपने लगते हैं। वहीं दोबारा खाना गर्म करने पर भी यह खत्म नहीं होते हैं। इसी कारण चावल आदि को दोबार गर्म करने की सलाह नहीं दी जाती है।

नेचुरली गर्म रखें खाना : आप खाने को नेचुरली भी गर्म रख सकते हैं। इसके लिए आपको बाजार में कई बर्तन मिल जाएंगे। इन बर्तनों की मदद से खाना करीब 8 से 10 घंटे तक गर्म रहता है। वहीं आजकल ऐसे लंच बॉक्सेज भी मिलते हैं। हालांकि इन बर्तनों को खरीदते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि यह बर्तन किस मेटल पर बने हैं।

गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए डाइट में शामिल करें यह फूड्स

गर्मियां आते ही, जो सबसे पहला प्रश्न मन में आता है कि अब शरीर को ठंडा रखने के लिए क्या करें क्योंकि शरीर गर्म रहने से कई तरह की बीमारियां लगने का डर रहता हैं और गर्मी भी अधिक लगती है। ऐसे में गर्मियों में हमें ऐसे चीजों का सेवन करना चाहिए, जो शरीर को ठंडा रखने के साथ स्वस्थ भी रख सकें। इस समय तले-भुने खाने से बचना चाहिए क्योंकि गर्मियां में पेट संबंधी परेशानियां होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता हैं। गर्मियों में शरीर को गर्मी से बचाने के साथ शरीर को हाइड्रेटेड रखना जरूरी होता है ताकि बॉडी में पानी की कमी न हो। इस मौसम में ऐसे फूड्स खाने चाहिए, जो बॉडी को ठंडक दें और लू लगने या सन स्ट्रोक से भी बचाए।

तरबूज

तरबूज सर्दियों में अधिकतर सबका फेवरिट होता है। इसमें भरपूर मात्रा में पानी होता है। जिस कारण ये शरीर को लंबे समय तक हाइड्रेट रखने के साथ शरीर को ठंडा भी रखते हैं। तरबूज में मौजूद लाइकोपीन धूप स्किन को धूप से होने वाले नुकसान से भी बचाता है। इसको खाने से जल्दी भूख का अहसास भी नहीं होता।

खीरा

खीरा शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, पोटेशियम, कैल्शियम और विटामिन ए पाया जाता हैं। इसको खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और शरीर में पानी की कमी भी नहीं होती। खीरा खाने से शरीर ठंडा रहता है और सर्दियों में चलने वाली लू से भी बचाव होता है।

पका कटहल

पका कटहल शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसको खाने से शरीर की कई बीमारियां आसानी से दूर होती हैं। इसकी तासीर ठंडी होने के कारण ये शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। पका कटहल में विटामिन सी पाया जाता है।जो शरीर की इम्यूनिटी को भी मजबूत करता है।

सत्तू ड्रिंक

गर्मियों में सत्तू वाली ड्रिंक पीने से शरीर की कई समस्याएं आसानी से दूर होती हैं। ये ड्रिंक स्वादिष्ट होने के साथ शरीर को ठंडा रखने में मदद करती है। गर्मियों में सत्तू ड्रिंक को मीठा या चटपटा बनाकर आसानी से पीया जा सकता है। इसको पीने से पाचन तंत्र भी मजबूत रहता है।

दही

दही शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर और विटामिन बी12 मात्रा में पाए जाते हैं। गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए दही का सेवन किया जा सकता है। इसके सेवन से लू से भी बचाव होता है और शरीर भी हाइड्रेट रहता है।

लाठीचार्ज व गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका पीएम का पुतला

निसं

तारानगर (नवयत्न)। दिल्ली में जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के चल रहे शांतिपूर्वक धरने पर पुलिस की ओर से बर्बरता पूर्वक किए गए लाठी चार्ज एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कस्बे में अम्बेडकर सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाकर मोदी मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए व प्रधानमंत्री मोदी व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के इशारे पर पुलिस की ओर से जंतर-मंतर पर चल रहे शांतिपूर्वक आंदोलन को लाठियों के बल पर कुचलने एवं छात्र आंदोलन के समर्थन में उतरे कांग्रेस नेताओं की जबरदस्ती गिरफ्तारी को असंवैधानिक बताते इसे लोकतंत्र पर गहरी चोट बताया। इस मौके पर हरिसिंह बेनीवाल, मानसिंह सैनी, कुंदन सैनी, विमला कालवा, बाबू हुसैन, जीताराम जांदू, दिनेश खंडेलवाल, रामस्वरूप झाझड़िया, शीशपाल धीनवाल, बाबूलाल सैनी, अर्जुन सैनी, बूंदा लुहार, पप्पू गोस्वामी, शरीफ, सुरजीत वर्मा, महेंद्र बुंदेला, साजिद, गंगाराम चाचाण, राकेश शर्मा आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

विद्युत दुर्घटना में दिवंगत सैनी के आश्रित परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता

निसं

नवलगढ़ (नवयत्न)। नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र की भगत सिंह की ढाणी में गत दिनों हुई दु:खद विद्युत दुर्घटना में दिवंगत हुए सीताराम सैनी के आश्रित परिवार को विधायक विक्रम सिंह जाखल की सतत पैरवी एवं निरंतर प्रयासों से बड़ी राहत मिली। विद्युत विभाग द्वारा स्वीकृत 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक विधायक ने बुधवार को सीताराम सैनी की धर्मपत्नी विमला देवी को प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को न्यायोचित सहायता शीघ्र उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता थी। इसी उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करवाई गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी विधायक ने अपने निजी स्तर पर 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान कर परिवार का संबल बनने का प्रयास किया था। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता वेदप्रकाश भास्कर एवं सहायक अभियंता ग्रामीण कमलेश यादव उपस्थित रहे। साथ ही सीताराम सैनी के परिजन, ग्रामीणजन एवं गणमान्य सहित कई लोग मौजूद रहे। सहायता राशि प्राप्त होने पर परिजनों ने विधायक विक्रम सिंह जाखल एवं विद्युत विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके कठिन समय में एक बड़ी राहत एवं संबल सिद्ध होगा।

जंगल में मिला युवक का शव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में चेतन पर्वत के पास स्थित जंगल में बुधवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक के शरीर पर चोट और धारदार हथियार के हमले के निशान मिलने से पुलिस प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जता रही है। सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। हरमाड़ा थानाधिकारी नरेंद्र भड़ाना ने बताया कि बुधवार सुबह जंगल में पहुंचे एक व्यक्ति ने सुनसान स्थान पर शव पड़ा होने की सूचना दी। सूचना पर पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण भी घटनास्थल पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। इसके साथ ही एफएसएल टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए हैं। प्रारंभिक जांच में युवक के शरीर पर चोटों के साथ धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों से गुमशुदा युवकों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि युवक की पहचान और घटना से जुड़े आरोपियों तक पहुंचा जा सके। डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि जंगल में शव मिलने की सूचना पर पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। युवक की पहचान और घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। मामले में साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वृक्षारोपण किया

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। शहर के बैजनाथ भरतिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण किया गया। संस्था प्रधान नीतू सिंह शेखावत के नेतृत्व में विद्यालय के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों ने पौधरोपण कर वृक्षों के संवर्धन, पर्यावरण और जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर महीप सिंह राठौड़, प्रदीप स्वामी, अंतिम दुबे, चंद्रशेखर शर्मा, साधुराम, संपत्ति सिहाग, सीमा वर्मा, सुनीता एचरा, महफूजा बानू, सरला शर्मा, दीपिका शर्मा, शर्मिला महर्षि सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। श्री बापूजी ग्रुप ऑफ एजुकेशन संस्थान में बुधवार को राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय परिसर में समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं द्वारा हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से हुई। इसके पश्चात आयुर्वेद, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग संकाय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, प्रेरक भाषण तथा ओजपूर्ण कविताओं की प्रस्तुतियां देकर सभी में राष्ट्रप्रेम का भाव जागृत किया। इस अवसर पर संस्थान की चेयरपर्सन डॉ ईशा गुर्जर ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल हमारी पहचान नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह तिरंगे का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे। संस्थान के निदेशक डॉ ओमप्रकाश गुर्जर ने कहा कि 22 जुलाई का दिन हमें उन महान विभूतियों के योगदान की याद दिलाता है, जिन्होंने स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज को हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बनाया। प्राचार्य डॉ गौतम उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व है।

41 दिन की धूणी के बाद संत अजय गिरी की चादरपोशी

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। बख्तावरपुरा गुगा मेडी आश्रम में संत अजय गिरी महाराज की 41 दिवसीय 11 धूणी तपस्या के समापन पर बुधवार को एक दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ। बख्तावरपुरा ग्राम स्थित आश्रम परिसर में विधि विधान से संत अजय गिरी महाराज की चादरपोशी की रस्म पूरी की गई। इस दौरान आश्रम को फूल-मालाओं और रंगीन लाइटों से सजाया गया। आश्रम में श्रद्धालुओं के लिए दिनभर भंडारे का आयोजन किया गया। दूर-दराज से आए भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। रात्रि में साधु-संतों की भजन संध्या में भजनों की गंगा बही। भजन संध्या में ईश्वर भक्ति और तपस्या के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में महेंद्र नाथ, महताप गिरी, अभय नाथ, सुभाष गिरी सहित अनेक साधु-संत मौजूद रहे। संतों ने अजय गिरी महाराज की तपस्या को समाज के कल्याण के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर अशोक, महावीर, प्रवीण, मूलचंद, विशाल, महेश, मनोज, देवेंद्र, नागेश सहित भक्तगण उपस्थित रहे। अभय नाथ महाराज ने मीडिया को बताया कि 41 दिन की कठोर तपस्या के दौरान संत अजय गिरी ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण के लिए साधना की।

इतिहास पुरुषों ने दिया है सकारात्मकता और आशावाद का संदेश : पाठक

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सकारात्मकता विषयक एक दिवसीय सेमिनार आयोजित की गई।

आयोजन में बीज वक्ता के तौर पर बोलते हुए दयानंद स्कूल की पूर्व सीईओ व शिक्षाविद अल्का डॉली पाठक ने इतिहास पुरुषों की जीवनियों से अभिप्रेरणा से भरे प्रसंग सुनाते हुए विद्यार्थियों को जीवन की हर परिस्थिति में सकारात्मकता व आशावाद जीवित रखने का संदेश दिया। इससे पूर्व माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से सेमिनार का शुभारंभ हुआ। स्वागत भाषण पढ़ते हुए इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मेघना शर्मा ने विवेकानंद की जीवन से सकारात्मकता का पाठ सीखने पर बल दिया जिन्होंने आधुनिक भारतीय इतिहास में अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भारतीय मूल्यों को रेखांकित करवाया। अतिथि शिक्षक डॉ मुकेश हर्ष ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस से लेकर एपीजे अब्दुल कलाम आशावाद और अनुशासन के ज्वलंत उदाहरण हैं जिन्होंने इतिहास और राष्ट्र दोनों को आगे बढ़ाने में सशक्त भूमिका निर्वाह किया। सेमिनार में मंच संचालन अतिथि शिक्षक रिंकू जोशी द्वारा व धन्यवाद डॉ रीतेश व्यास द्वारा ज्ञापित किया गया। अल्का डॉली पाठक का इतिहास विभाग के सदस्यों द्वारा शॉल, साफा, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। विद्यार्थियों की तरफ से लक्ष्मी सुथार ने सकारात्मकता का सन्देश देता भजन मंच से सुनाया। सेमिनार में डॉ गोपाल व्यास, जसप्रीत सिंह, भगवान दास सुथार, डॉ संजना चौधरी, सुशीला बिश्नोई के अतिरिक्त स्नातकोत्तर के विद्यार्थी शामिल रहे।

केंद्रीय मंत्री प्रधान का पुतला जलाया

निसं

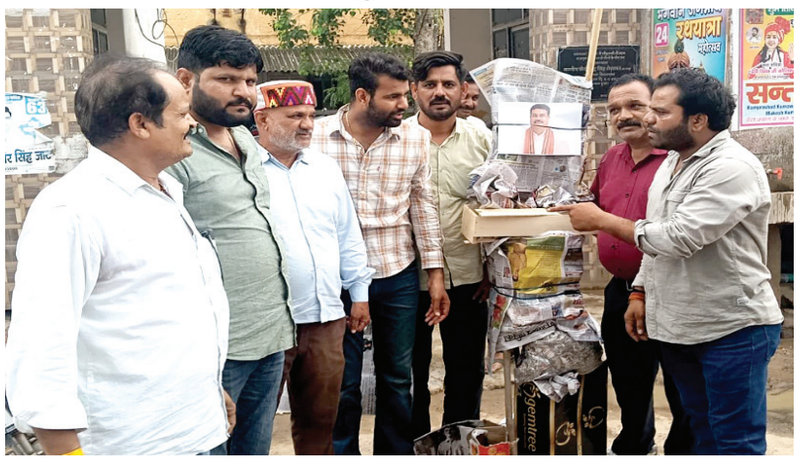

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीमकाथाना जिलाध्यक्ष प्रो. गोविंद नारायण घसिया के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय के बाहर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला जलाया और इस्तीफे की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

उन्होंने नीट परीक्षा पेपर लीक, छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई और छात्र हितों की अनदेखी का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष प्रो. घसिया ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर 6 जून से धरने पर बैठे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया, जिसे उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने और केंद्र सरकार से छात्र हितों की रक्षा करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष सहित अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया। केंद्र सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों और छात्र हितों की अनदेखी कर रही है, इसलिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए।

मारूति बालाजी मंदिर में सुंदरकांड के साथ वार्षिकोत्सव मनाया

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ में मीणों के मौहल्ले के मारूति बालाजी मंदिर में सुंदरकांड के साथ 16वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। मंगलवार देर रात मंदिर के पुजारी पंडित लालचंद जोशी के सानिध्य में भक्त बाबू जोशी ने बालाजी की प्रतिमा के आगे ज्योत लेकर सुंदरकांड पाठ का शुभारम्भ किया। सुंदरकांड समिति के सदस्य राजेंद्र गहलोत, चांदमल राव, गौरव माटोलिया, चांदमल जोशी, राजेश जोशी, विक्रम मीणा, कमल डीडवानिया, मधुसूदन जोशी आदि ने सामूहिक रूप से संगीत मय सुंदरकांड पाठ का वाचन कर बालाजी को रिझाया। मौहल्ले के महिला व पुरूषों ने सुंदरकांड पाठ में भाग लेकर वाचन किया। इस अवसर पर बालाजी की प्रतिमा का फुलों से श्रृंगार किया और नई पोषाक पहनाई और दूसरे दिन प्रसादी भंडारा किया।

यादव महासभा ने निदेशक जनगणना राजस्थान को सौंपा ज्ञापन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान यादव महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में निदेशक जनगणना राजस्थान से मुलाकात कर आगामी जाति जनगणना में यादव समाज की विभिन्न उपजातियों को अलग-अलग दर्ज करने के बजाय जाति कॉलम में केवल यादव दर्ज किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। महासभा का कहना है कि देशभर में स्थानीय उपनामों के कारण यादव समाज को 57 अलग-अलग नामों से दर्ज किया जाता है जबकि वर्ष 1931 की जाति जनगणना के आधार पर इनकी संयुक्त आबादी देश की कुल आबादी का 21.8 प्रतिशत रही है। महासभा ने आरोप लगाया कि 1931 की जाति जनगणना में यादव समाज का विभाजन किया गया था। अब संगठन केंद्र सरकार और जनगणना आयुक्त से सभी 57 उपजातियों को यादव श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहा है। महासभा का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति उपजाति बताए तो भी जाति कॉलम में यादव ही दर्ज किया जाए। महासभा ने बताया कि इस संबंध में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा का प्रतिनिधिमंडल एक जुलाई को दिल्ली में महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त से भी मिल चुका है। अब देशव्यापी जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिसके तहत गांव-गांव जाकर लोगों को जाति कॉलम में यादव दर्ज करवाने के लिए जागरूक किया जाएगा। महासभा ने 15 से 31 जुलाई तक राज्य जनगणना निदेशकों, एक से 15 अगस्त तक संभागीय आयुक्तों, 16 से 31 अगस्त तक जिला कलेक्टरों तथा एक से 30 सितंबर तक उपखंड अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम भी घोषित किया। संगठन का कहना है कि इससे भविष्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में यादव समाज का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। महासभा ने यह भी कहा कि राजस्थान में यादव और अहीर एक ही जातीय पहचान के रूप में प्रचलित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अहीर शब्द अधिक प्रचलित होने के कारण एक ही समुदाय के अलग-अलग श्रेणियों में दर्ज होने की संभावना रहती है। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेशाध्यक्ष डॉ करण सिंह यादव, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश यादव, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र यादव व हरसहाय यादव, युवा प्रदेशाध्यक्ष मदन यादव, राष्ट्रीय सचिव मंजू यादव, विपिन यादव, डीआर यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य उदयवीर यादव, मीना यादव, धर्मवीर यादव, युवा यादव महासभा के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, अर्जुन यादव, गौतम यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाहर से आकर सामान बेचने और किराये पर रहने वालों को अब थाने में दर्ज करवानी होगी अपनी पहचान

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ में बाहर से आकर सामान बेचने और किराये पर रहने वालो को अब पुलिस थाने में अपने पहचान दस्तावेज के साथ उपस्थिति दर्ज करवानी होगी। सीआई उमाशंकर शर्मा के अनुसार जिले में बढ़ रही अपराधिक गतिविधियों को मध्य नजर रखते हुए अब बिसाऊ में बाहर से आकर सामान की बिक्री के लिए फेरी करने और मजदूरी के लिए नौकरी व व्यापार करने वाले लोगों को अपने पहचान पत्र, आधार कार्ड आदि दस्तावेजों के साथ थाने में उपस्थित होकर अपनी पहचान बतानी होगी। बाहर से आये लोगों की पहचान करने के लिए थाने के पुलिस जवान कस्बे में आमजनों के सहयोग से जानकारी जूटा रहे है। सीआई शर्मा ने बाहर से आए व आने वालों से अपील है कि पुलिस नियमों से बचने के लिए थाने में आकर अपनी पहचान करवाना अनिवार्य है। गौरतलब है कि बाहर से सामान बेचने वाले व नौकरी करने वालो की पहचान नहीं होने पर कस्बे में कोई वारदात कर भाग जाने के बाद पुलिस को उन्हें खोजने में बड़ी दिक्कतें आती है इसको देखते हुए यह पहचान दर्ज करवाना जरूरी है। पिछले दिनों पूर्व पालिका अध्यक्ष हारुन खत्री के बंगले पर रहने वाले नेपाली मजदूरो द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गये अगर आज उनकी पहचान दस्तावेज सहित थाने में दर्ज होती तो उन्हें पकड़ने में आसानी हो जाती है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकाल किया प्रदर्शन

निसं

तारानगर (नवयत्न)। विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपखंड कार्यालय तारानगर पर प्रदर्शन किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता किसान मजदूर भवन से रैली के रूप में सरकार विरोधी नारे लगाते हुए उपखंड कार्यालय तारानगर पहुंची। उपखंड कार्यालय के सामने मुख्यमंत्री का पुतला जलाकर भाजपा सरकार मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए। इसके बाद सीटू जिला महासचिव ज्योति लाटा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपखंड अधिकारी प्रियंका कड़ेला को ज्ञापन देकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने, नियमित करने सहित विभिन्न मांगों का निराकरण करने की सरकार से मांग की। इस मौके पर ज्योति लाटा, सुमन कंवर, रामरती देवी, दुर्गा देवी, द्रोपती, माया, सुलोचना, हेमलता, रहीसा, संतोष, उर्मिला, सुमन, रश्मि, शारदा, सरोज, किसान सभा के तहसील अध्यक्ष पूर्णाराम सरावग, तहसील सचिव विक्रम सोनी, नितेश उपाध्याय, किशन शर्मा आदि मौजूद थे।

श्री उत्सव आज

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में राजलदेसर महिला मंडल के द्वारा श्री उत्सव का आयोजन आज किया जाएगा। जिसमें एक ही छत के नीचे शॉपिंग, फूड स्टॉल और गेम्स खिलाए जाएंगे। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष कुसुम छलानी, मंत्री मोनिका बेद ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 7 तक रहेगा। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

वजन बढ़ाने के लिए बड़े काम की हैं ये चमत्कारी जड़ी बूटियां

जिस तरह से लोग बढ़ते वजन को लेकर परेशान रहते हैं, ठीक वैसे ही कई लोग ऐसे भी हैं जो वजन न बढ़ने के कारण बेहद परेशान हैं। दुबलेपन से परेशान लोग तरह-तरह के तरीके भी अपनाते रहते हैं लेकिन इसके बाद भी उनका वजन है कि बढ़ने का नाम ही नहीं लेता हैं। हालांकि, सही जानकारी न होने पर उन तरीकों का कोई असर नहीं हो पाता है।

अश्वगंधा : आयुर्वेद में अश्वगंधा एक बेहतरीन जड़ी बूटी है, जो शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। नियमित रूप से इसका सेवन करने पर भूख बढ़ती है, जिससे वजन बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा अश्वगंधा के सेवन से तनावमुक्त और ऊर्जावान बने रहने में भी मदद मिलती है। इससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत किया जा सकता है।

मेथी : आयुर्वेद में मेथी भी वजन बढ़ाने के लिए काफी अच्छी जड़ी-बूटी माना जाता है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल को कम करने, कब्ज की समस्या दूर और रक्त में ग्लूकोज को काबू किया जा सकता है। इसके फायदे के लिए आप मेथी के बीजों का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा मेथी के पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैमोमाइल : कैमोमाइल से आपकी भूख और वजन बढ़ने में मदद मिलती है। इसका इस्तेमाल खाने को पचाने के लिए किया जाता है। इससे कैंसर और दिमागी चिंता की समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है। कई गुणों वाले कैमोमाइल का नियमित सेवन करने से आप अपने वजन में खुद बदलाव देख सकेंगे। इसके सेवन से सिर्फ आपका वजन ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आप सेहतमंद भी बने रहेंगे।

शतावरी कल्प : आयुर्वेद में शतावरी कल्प वजन बढ़ाने के लिए सबसे प्रभावी औषधियों में से एक है। इसका सेवन महिला और पुरुष दोनों कर सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार महिलाओं के लिए ये सर्वोत्तम है। इसका सेवन करने से जननांगो की मांसपेशियां भी मजबूत होती है।

क्या आप भी हैं आंखों की समस्या से परेशान? तो बस अपनाएं ये पांच फूड्स...

आज के समय में ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल में दिनभर कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम करना जरुरी सा हो गया है। वहीं, कुछ लोग अपना ज्यादा से ज्यादा समय फोन का इस्तेमाल करने में भी बिता देते हैं। ऐसे में आंखों की संबंधित समस्या होना आम बात है। फोन, लैपटॉप या अन्य तरह की टेक्नोलॉजी जिनसे आंखों पर जोर पड़े वो हानिकारक साबित हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की सेहत बिगड़ती है, साथ ही नजर कमजोर होती है। इसके अलावा खानपान में की गई लापरवाही भी आंखों की कमजोरी का कारण हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि समय रहते हमें अपनी आंखों की देखभाल कर लेनी चाहिए।

आंखों को होने वाले नुकसान से बचाएंगे ये टिप्स :

- अगर आपका काम दिनभर कंप्यूटर या लैपटॉप पर ही रहता है तो ऐसे में अपनी पलकों को बीच-बीच में झपकाते रहें। लगातार स्क्रीन को देखना आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- आंखों की एक्सरसाइज करें।
- दो से तीन घंटे में अपनी आंखों को कुछ मिनट के लिए जरूर बंद करके उन्हें आराम दें।
- सोने से करीब दो घंटे पहले फोन, कंप्यूटर या लैपटॉप का इस्तेमाल न करें।
- आंखों को रोजाना ठंडे पानी से जरूर धोएं
- अपनी उंगलियों की मदद से आंखों की हल्के-हल्के मालिश करें।

सौंफ : सौंफ न सिर्फ हमारी त्वचा के लिए लाभदायक है बल्कि इससे हमारी आंखों की सेहत भी अच्छी होती हैं। सौंफ का इस्तेमाल जड़ी बूटियों में भी किया जाता है, जो हमारे स्वास्थ के लिए अच्छा होता है। इतना ही नहीं, सौंफ के सेवन से मोतियाबिंद को धीमा किया जा सकता है। साथ ही आंखों की सेहत को भी अच्छा बनाया जा सकता है। इसके लिए थोड़ी सी सौंफ, 1 कप बदाम और 1 चम्मच चीनी को मिक्सी में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद एक गिलास दूध में इस पेस्ट को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

सोयाबीन : सोयाबीन के सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। इसमें मौजूद प्रोटीन हमारे आंखों के लिए भी बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। जो व्यक्ति अपनी आंखों की समस्या से परेशान रहता है, उसे सोयाबीन का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे आंखों की संबंधित समस्या कम हो सकती है, साथ ही आंखों की रोशनी भी बढ़ती है। इसका सेवन पानी में भिगोने के बाद ही करें। आप इसके स्नैक्स या सब्जी भी बनाकर सेवन कर सकते हैं।

बादाम का दूध : बादाम का दूध सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। इससे आंखों की संबंधित समस्या को दूर किया जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आप हफ्ते में 3 से 4 बार बादाम का दूध पी सकते हैं। इसमें विटामिन ई, ओमेगा 3 फैटी और एंटीऑक्सिडेंट मौजूद होता है।

हरी सब्जियां : विशेषज्ञों के अनुसार आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए हरी सब्जियों का सेवन करना भी काफी अच्छा साबित होता है। इसमें काफी मात्रा में आयरन पाया जाता है, जो आंखों के लिए अच्छा साबित होता है। इसका सेवन करने से सेहत को भी लाभ हो सकता है। आप हरी सब्जियों को सलाद या व्यंजन बनाकर भी सेवन कर सकते हैं।

गाजर : गाजर के सेवन से हमें कई तरह के लाभ होते हैं। ये आंखों से संबंधित हर समस्या को दूर करता है। इसके अलावा आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। गाजर का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। आप इसे कच्चा या सब्जी के तौर पर भी सेवन कर सकते हैं। अगर आप रोजाना गाजर का सेवन करेंगे तो आप आंखों की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

आंवला : आंवला का सेवन करने से बाल, त्वचा व अन्य तरह की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। ये आंखों को सेहतमंद बनाएं रखने में भी मददगार साबित होता है। आंवला में मौजूद विटामिन सी आंखों के रेटिना कोशिकाओं के कामकाज को सुधारता है, साथ ही स्वस्थ कोशिकाओं को बढ़ता है। इतना ही नहीं आंवला के सेवन से इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाया जा सकता है।

कब्ज से हैं परेशान, तो आज़माएं ये घरेलू उपाय, मिलेगी राहत

उल्टी डकार, हल्का पेट दर्द, गैस की समस्या और शौच करने में परेशानी आज आधुनिक जीवन का हिस्सा बन गया है, है ना? हालांकि, अभी यह एक बार होने वाली समस्या हो सकती है, लेकिन जल्द ही यह पुरानी कब्ज में बदल सकती है, जिसकी वजह से आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अत्यधिक सामान्य और फ्रसटेटिंग, कब्ज किसी को भी प्रभावित कर सकता है। अनुमान है कि लगभग 20 प्रतिशत लोग इस समस्या से पीड़ित हैं। घरेलू उपचार और जीवनशैली में बदलाव अक्सर इसे हल करने में मदद कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी इसे चिकित्सा की भी आवश्यकता हो सकती है। यह सही है कि कब्ज से निपटना मुश्किल नहीं है और आपको इसका इलाज करने के लिए दवाओं पर विशेष रूप से निर्भर होने की आवश्यकता भी नहीं है। एक स्टडी के अनुसार, कब्ज को सिर्फ दवा से ही कंट्रोल नहीं किया जा सकता है। एक उचित आहार और जीवनशैली में बदलाव, इस समस्या से काफी राहत प्रदान कर सकते हैं।

तरल पदार्थ

कब्ज को कंट्रोल करने के लिए हाइड्रेटेड रहना बहुत महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों के अनुसार, हर दिन 8-10 गिलास पानी पीने से पाचन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यहाँ याद रखने वाली बात यह है कि आपका मल जितना सख्त होगा, पास करना उतना ही मुश्किल होगा। तो, हर दिन पर्याप्त पानी पीएं और अपने आहार में सूप, हरी और काली चाय, और ताज़ा जूस शामिल करें।

प्राकृतिक फाइबर

फाइबर युक्त आहार खाने से न केवल आपके मल की मात्रा बढ़ जाती है, बल्कि यह आपकी आंतों के माध्यम से बाहर भी आसानी से निकल जाता है। कब्ज से राहत पाने के लिए हर दिन पर्याप्त सेब, नाशपाती, अंकुरित अनाज, जई, अंजीर, दाल और फलियां खाएं।

प्रोबायोटिक्स

प्रोबायोटिक्स जीवित ऑर्गेनिज़्म होते हैं जो प्राकृतिक रूप से दही, किमची, सॉकरोट, मिसो और केफिर जैसे खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। उन्हें अच्छे या गुड बैक्टीरिया के रूप में जाना जाता है, क्योंकि वे हानिकारक बैक्टीरिया के खिलाफ लड़ते हैं और उन्हें आंत में बसने से रोकते हैं। प्रोबायोटिक्स अच्छे बैक्टीरिया से बने होते हैं जो आपके शरीर को स्वस्थ और अच्छी तरह से काम करने में मदद करते हैं। इसलिए, आप प्रतिदिन कम से कम एक कटोरी ताजा दही अवश्य खाएं। आप प्रोबायोटिक पेय के विकल्प भी चुन सकते हैं, जो बाजार में आसानी से उपलब्ध होते हैं।

फाइबर की खुराक

आपने लोगों को इसबगोल का एक बड़ा चम्मच पानी या दही में मिलाते हुए देखा होगा और अपने मल त्याग को बेहतर बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया होगा और सोचा होगा कि क्या यह घरेलू उपाय वास्तव में काम करता है। जवाब आसान है- हाँ, यह करता है। साइलियम (जो कि ईसबगोल से बना है) जैसे घुलनशील फाइबर और मिथाइलसेलुलोज मल त्याग में सुधार कर सकते हैं। आपको निश्चित रूप से इसका बहुत अधिक सेवन नहीं करना चाहिए। एक दिन में केवल एक चम्मच पर्याप्त है।

व्यायाम करें

एक रिसर्च के अनुसार, एरोबिक व्यायाम, पैदल चलना और शारीरिक मूवमेंट गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल गतिविधियों में सुधार करता है और कब्ज से राहत देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि व्यायाम पेट से आंतों तक भोजन के मूवमेंट को तेज करता है। यहां तक कि हर दिन 10-15 मिनट तक टहलना आपके पाचन में सुधार कर सकता है और कब्ज को दूर रख सकता है।

बंद नाक होने पर बरतें जरूरी सावधानी

जब नाक में जमाव या नाक किसी द्रव से भरी हुई होती है तो इस स्थिति को नाक बंद होना कहते हैं। यह कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है पर हां यह किसी समस्या का लक्षण हो सकता है, जैसे कि साइनस। इसके अलावा सर्दी जुकाम भी नाक बंद होने के पीछे कारण बन सकते हैं। ऐसे में लोग घरेलू उपचार की मदद से रुकी हुई नाक को खोलने की कोशिश करते हैं। लेकिन कभी-कभी स्थिति गंभीर हो सकती है।

बंद नाक के कारण

बता दें कि जब नाक के अंदर कोई द्रव भर जाता है या सूजन आ जाती है तब नाक बंद हो जाती है। अगर उदहारण की बात करें तो सर्दी जुकाम आदि के कारण नाक बंद हो जाते हैं। ये समस्याएं नाक से से जुड़ी है जो जल्दी ठीक भी हो जाती हैं। लेकिन अगर नाक एक हफ्ते तक ठीक ना हो तो हो सकता है कि आपको स्वास्थ्य समस्या है।

- नाक में कैंसर यानी नाक के मार्ग में ट्यूमर का बनना।
- किसी रासायनिक पदार्थ के संपर्क में आ जाना।
- एलर्जी के कारण।
- साइनस संक्रमण जो कि लंबे समय तक है उसके कारण।
- नाक की बीच की दीवार पर टेढ़ा हो जाने के कारण

इस प्रकार की समस्या गर्भावस्था के दौरान भी हो सकती है। ऐसे में यह पहली तिमाही के अंत में लक्षण नजर आते हैं। चूंकि हार्मोन उतार-चढ़ाव के कारण नाक बंद हो जाती है यह बदलाव नाक की झिल्ली को प्रभावित कर नाक में सूखापन, सूजन या खून बहने जैसी समस्या को पैदा कर सकते हैं।

नाक बंद के लक्षण

- बहती हुई या रुकी हुई नाक
- साइनस में दर्द के कारण
- नाक में सूखापन
- सांस लेने में दिक्कत
- नाक के आसपास लालिमा
- नाक के आसपास सूजन आ जाना

कई बार नाक बंद होने पर घरेलू उपाय काम नहीं आते ऐसे में अगर स्थिति ज्यादा दर्दनाक है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। क्योंकि ऐसी स्थिति में मेडिकल उपचार की जरूरत होती है। अगर 10 दिन तक नाक बंद रहे तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इसके अलावा तीन या अधिक दिन तक तेज बुखार होने पर डॉक्टर को दिखाएं। अगर हरे रंग का नाक से द्रव निकले तब भी डॉक्टर से सलाह जरूर करें।

नाक बंद होने के घरेलू उपचार

- भाप माध्यम से नाक को साफ करें। सबसे पहले एक बड़े बर्तन में पानी भरें और उसे गर्म करें। गर्म करने पर जब भाप निकलनी शुरू हो जाए तो तौलिये से सिर को ढक लें और गहरी सांस लेना शुरू करें। इस बात का ध्यान रखें कि भाप तौलिए से बाहर ना जा पाए। इसके अलावा कुछ सुगंधित तेलों का भी प्रयोग कर सकते हैं जैसे अजवाइन, पुदीना आदि से नाक साफ करें।
- अदरक से नाक साफ कर सकते हैं क्योंकि इसके अंदर सूजनरोधी गुण पाए जाते हैं जो बलगम से भरे नाक को साफ कर सकते हैं। आप अदरक का प्रयोग हर्बल चाय के रूप में कर सकते हैं। ये नाक साफ करने में बेहद उपयोगी है। इस के टुकड़े को पानी में उबालें और तौलिये को डिबोकर चेहरे पर लगाएं।
- गर्म सूप से भी नाक को खोला जा सकता है। रोजाना तीन से चार कप लहसुन और अदरक से बना हुआ सूप पीएं। इसके अलावा नॉन वेजिटेरियन सूप की भी मदद ले सकते हैं।

ज्यादा अलसी खाने से हो सकती हैं ये समस्याएं

आजकल फिटनेस बरकरार रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खों को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं। बहुत से लोग उसके परिणाम की चिंता न करते हुए केवल उनके फायदों पर ही आकर्षित हो जाते हैं। क्या आप भी उन्हीं लोगों में शामिल हैं। अगर हां तो अपनी आदत सुधार लें। अलसी वैसे तो पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक पाई जाती है, जो हमारी शरीर के लिए काफी फायदेमंद है। इसका सेवन पुरुषों के साथ महिलाएं भी काफी करती हैं, जो समुचित मात्रा में किया जाए तो निश्चित तौर पर इससे लाभ मिलते हैं। इसे वजन घटाने के लिए तो रामबाण माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 एसिड और फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं।

एलर्जी होना

अलसी के बीज का सेवन यदि आप अधिक मात्रा में कर रहे हैं तो आपको इससे एलर्जी भी हो सकती है। ऐसे कई मामले देखे गए हैं, जिनमें लोगों में पेट में दर्द और उल्टी आदि की समस्याओं की शिकायतें सामने आई हैं। साथ ही कई लोगों उनके रक्तचाप सामान्य से परिवर्तित भी पाया गया है।

लूज मोशन और कब्ज

अलसी का उपयोग भारी मात्रा में करने से यह आपको लूज मोशन, कब्ज और पेट संबंधी कई अन्य समस्याओं का भी शिकार बना सकती है। खासकर आंत की किसी समस्या से जूझ रहे मरीज को अलसी का सेवन बिलकुल नहीं करना चाहिए। ऐसे मामलों में अपने चिकित्सक की सलाह लें। कब्ज होने के बाद भी अल्सी का सेवन करने पर आपको पेट संबंधी गंभीर समस्या भी हो सकती है।

गर्भावस्था में है नुकसानदेह

गर्भवती महिलाओं को अलसी के बीज का सेवन करने से पहले इसके फायदे और नुकसान के बारे में अच्छे से जान लेना चाहिए। प्रेगनेंसी के दौरान अलसी का सेवन काफी असुरक्षित माना जाता है। नियमित रूप से इसका सेवन कई बार आपको बांझपन का भी शिकार बना सकता है।

अधिक पपीता का सेवन स्किन को पहुंचा सकता है नुकसान, पपीता खाने के दुष्परिणाम

पपीता के गुणों से आप अच्छी तरह वाकिफ होंगे। वेट लॉस करने से लेकर स्किन केयर रुटीन फॉलो करने वाले लोग पपीता का सेवन करते हैं। पपीते में मौजूद पोषक तत्व वजन को कम करने के साथ-साथ पाचन को दुरुस्त करने में लाभकारी मानें जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा पपीता का सेवन करना भी नुकसानदेय हो सकता है? जी हां, किसी भी चीज का जरूरत से ज्यादा सेवन करना सेहत के लिए हमेशा नुकसानदेय ही रहा है। पपीता भी ऐसी ही चीजों में शामिल है। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है, लेकिन अगर आप अति से ज्यादा इसका सेवन करते हैं, तो यह फायदा पहुंचाने के बजाय आपको नुकसान पहुंचाने लगता है। इसलिए हमेशा सीमित मात्रा में ही पपीता का सेवन करें।

स्किन के लिए है हानिकारक : पपीता स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इसमें पपैन नामक एंजाइम मौजूद होता है, जिसका अधिकतर इस्तेमाल स्किन केयर क्रीम को बनाने के लिए किया जाता है। लेकिन यह एंजाइम सभी टाइप के स्किन के लिए अच्छा नहीं माना जाता है।

ऐसे में अगर किसी को इस एंजाइम से एलर्जी है, तो उनके स्किन पर रैशेज और जलन की शिकायत हो सकती है। इसलिए पपीता का सेवन सीमित मात्रा में ही करना आपके स्किन के लिए बेहतर होता है।

बढ़ा सकती है रेस्पिरेटरी एलर्जी : पपीता में मौजूद पपैन नामक एंजाइम एक शक्तिशाली एलर्जीन है। अगर आपको किसी तरह की श्वास संबंधी समस्या है। उदाहरण के लिए अस्थमा, एलर्जी तो इसका सेवन सावधानी पूर्वक करें। अगर आप काफी ज्यादा पपीता खाते हैं, तो आपकी परेशानी बढ़ सकती है। अधिक पपीता खाने से अस्थमा, घबराहट और सांस लेने में परेशानी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

हार्ट बीट कर सकता है धीमा : दिल से जुड़ी बीमारियों से ग्रसित लोगों को पपीते के अधिक सेवन से बचना चाहिए। अधिक पपीते के सेवन से आपके दिल की धड़कनों की दर अनिश्चित रूप से कम होती है। इसके साथ ही यह दिल से जुड़ी परेशानियों को बढ़ा सकती हैं। ऐसे में अगर आपको हृदय से जुड़ी कोई परेशानी हैं, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बढ़ सकती है पेट की समस्या : अति से ज्यादा पपीते का सेवन करने से हमारा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम प्रभावित होता है। इसके कारण पेट में गैस, जलन जैसी समस्या बढ़ सकती हैं। दरअसल, पपीते में फाइबर की अधिकता होती है। अधिक फाइबर का सेवन पाचन को प्रभावित करता है। जिसके कारण कब्ज, एसिडिटी और दस्त की शिकायतें हो सकती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए नुकसानदेय : इस बात से शायद आप अच्छे से वाकिफ होंगे कि गर्भवती महिलाओं को पपीता का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि पपीता का सेवन करने से गर्भवती के भ्रूण को नुकसान पहुंच सकता है। दरअसल, पपीते में लेटेक्स की अधिकता होती है, जिसके कारण गर्भाशय सिकुड़ने की संभावना होती है। इसके अलावा इसमें मौद पपैन भ्रूण के विकास की झिल्ली को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को पपीता का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।

लो ब्लड शुगर : हाई ब्लड शुगर रोगियों के लिए पपीता का सेवन फायदेमंद हो सकता है। लेकिन लो ब्लड शुगर रोगियों के लिए पपीता का अधिक सेवन नुकसानदेय माना जाता है। वहीं, अगर आप ब्लड शुगर की दवा ले रहे हैं, तो डॉक्टर से पूछ कर ही पपीता का सेवन करें।

गर्मियों में रोजाना पिएं एक कप इलायची वाली चाय

चाय का स्वाद बढ़ाने में इलायची और अदरक का खास रोल होता है। चायपत्ती को बैलेंस करने के लिए भी इलायची और अदरक का इस्तेमाल किया जाता है जिससे तेज चायपत्ती सेहत को नुकसान न पहुंचा सके। सर्दियों में अदरक वाली चाय का सबसे ज्यादा सेवन किया जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि गर्मियों में अदरक की बजाय चाय में इलायची का सेवन करना चाहिए।

ऐसे बनाएं इलायची वाली चाय : सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में पानी उबालने के लिए रखें। एक उबाल आते ही इसमें अदरक और थोड़ी सी इलायची डालकर एक मिनट तक उबालें। तय समय के बाद इसमें चायपत्ती डालें। गहरा रंग आते ही दूध डालकर तेज आंच पर एक उबाल आने दें। एक उबाल आते ही बाकी की इलायची डालकर आंच धीमी कर चाय को पकाएं। लगभग 2-3 मिनट तक पकाने के बाद आंच बंद कर चाय कप में छान लें। तैयार है इलायची वाली चाय।

इलायची के पोषक तत्व : इलायची में पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी1, बी6 और विटामिन सी पाया जाता है, जो आपके अतिरिक्त वजन को घटाता है। वहीं इलायची में मौजूद फाइबर और कैल्शियम आपके वजन को नियंत्रित करता है।

सावन की फुहारों के बीच सजेगा लहरिया-2026

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। सावन की हरियाली, राजस्थान की लोक संस्कृति, रंग-बिरंगे लहरिया परिधान और महिलाओं की उमंग इन सभी का अनूठा संगम इस बार लहरिया-2026 में देखने को मिलेगा। स्त्री शक्ति समूह की ओर से 1 अगस्त को झुंझुनू जिला मुख्यालय स्थित जमुना रिसोर्ट में इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और आयोजन समिति इसे पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य एवं यादगार बनाने में जुटी हुई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी कार्यक्रम में राजस्थान की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत और सावन के उल्लास को जीवंत रूप दिया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे पारिवारिक जिम्मेदारियों से कुछ समय निकालकर अपनी संस्कृति, परंपराओं और आपसी आत्मीयता का उत्सव मना सकें। कार्यक्रम में महिलाएं केवल लहरिया साड़ी ही नहीं बल्कि लहरिया लहंगा-चुन्नी, सूट एवं अन्य पारंपरिक परिधानों में भी शामिल होंगी। रंग-बिरंगे परिधानों से पूरा आयोजन स्थल सावन के रंगों से सराबोर नजर आएगा। पारंपरिक लोकगीतों और आधुनिक संगीत के बीच महिलाएं उत्साह के साथ इस उत्सव का आनंद लेगी। करीब तीन से चार घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में जयपुर से आने वाले डीजे की धुनों पर महिलाएं जमकर झूमेंगी। आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण फ्लोर डांस इन लहरिया रहेगा, जहां पारंपरिक परिधानों में महिलाएं सामूहिक रूप से नृत्य कर सावन के उत्साह को यादगार बनाएंगी। इसके अलावा मनोरंजन के लिए विभिन्न रोचक गतिविधियां और फन गेम्स भी आयोजित किए जाएंगे। आयोजन की तैयारियों में डॉ मीना शेखावत, सुमन मील, ललित राठौड़, रविता झाझड़िया, डॉ शालू टीबड़ा और सुनीता टीबड़ा सहित स्त्री शक्ति समूह की अनेक सदस्य सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। समिति का कहना है कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है बल्कि महिलाओं के बीच सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का भी एक सशक्त माध्यम है। आयोजकों का मानना है कि लहरिया-2026 एक बार फिर झुंझुनू में सावन उत्सव की नई पहचान बनेगा और महिलाओं के लिए यादगार अनुभव लेकर आएगा।

नई बहुओं और पीहर आई बेटियों के लिए खास सरप्राइज

आयोजन समिति ने इस बार नई नवेली बहुओं और सावन में पीहर आई बेटियों के लिए विशेष सरप्राइज मोमेंट्स तैयार किए हैं। इसके साथ ही आकर्षक झूले, सावन थीम पर भव्य सजावट, सेल्फी पॉइंट और स्वादिष्ट व्यंजनों से सजा फूड कॉर्नर भी महिलाओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। लहरिया-2026 को लेकर झुंझुनू शहर ही नहीं बल्कि आसपास के कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति का लक्ष्य इस बार कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप देना है।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते दो शातिर गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दांव पर लगी नकदी राशि और जुआ खेलने में प्रयुक्त सामग्री बरामद की है। दोनों आरोपी मूल रूप से मध्य प्रदेश के निवासी हैं और वर्तमान में सांगानेर क्षेत्र में किराये पर रह रहे थे। उनके खिलाफ पूर्व में भी जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि झोटवाड़ा थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते मुदस्सिर खां निवासी विदिशा, मध्य प्रदेश हाल निवासी सांगानेर और सलमान निवासी भोपाल, मध्य प्रदेश तथा हाल निवासी सांगानेर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया कि मुदस्सिर खां के खिलाफ वर्ष 2024 में थाना मालपुरा गेट में राजस्थान सार्वजनिक द्यूत अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। वहीं सलमान के खिलाफ भी वर्ष 2021 में थाना मालपुरा गेट में जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हो चुका है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर उनके अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े संबंधों की भी जांच कर रही है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी रायसल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल बलराम और मालीराम, कांस्टेबल नरेंद्र सिंह, गजानंद, अमित कुमार, दीपेंद्र सिंह तथा राजेंद्र कुमार शामिल रहे।

सुंदरकांड पाठ किया

निसं

मुकुन्दगढ़ (नवयत्न)। बिजली पावर हाउस स्थित करंटधाम बालाजी मंदिर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। गायकार आशीष कुमार के साथ स्टाफ ने बाबा का पाठ कर बाबा का गुणगान किया। पंडित अनिल शर्मा ने पूजा करवाई। वहीं आरती के बाद प्रसादी का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। एईएन विवेक अग्रवाल, जेईएन प्रतिज्ञा, एआरओ मुकेश कुमार, हीरालाल, मनोहरलाल गुर्जर, हरलाल, भरतवीर, मोहरसिंह, सुनील शेषमा, सुनील मुंड, सुरेंद्र सहारण, अनिल भास्कर, छोटूराम ओला, शीतल, छोटेलाल सैनी, सुरेंद्र चेजारा, अरविंद, राहुल कुल्हरी आदि मौजूद रहे।

निःशुल्क शीतल पेयजल प्रकल्प का समापन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ द्वारा गत 3 माह से नगर के विभिन्न 11 विशिष्ट स्थलों पर हजारों कैंपर्स के माध्यम से संचालित निःशुल्क शीतल पेय जल सेवा प्रकल्प का समापन बुधवार को हो गया। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार भूतोडिया व सचिव महावीर प्रसाद मिरनका की प्रेरणा से आयोजित हुए सेवा प्रकल्प में भामाशाह कमलेश भरत डूंगरवाल बेंगलुरू, कमला सिंघी, डॉ एस के छाबड़ा, एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स सेठिया परिवार दिल्ली, देवसागर सिंघी जैन मंदिर ट्रस्ट, कौशल्या प्रकाश गुलेरिया, कोलकाता के आदित्य निशा कनोई, झंकार नवरतन फाउंडेशन, हरकचंद सरावगी ट्रस्ट, अशोक आलोक सेठिया, भागीरथ चांडक का सौजन्य प्राप्त हुआ। आयोजन की सफलता में समाजसेवी राजेंद्र गिडिया, गजानंद जांगिड़, हेमराज नाहटा, विनीत सुराणा का विशेष सहयोग रहा।

शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के बसई के धाम आश्रम में छह दिवसीय शिव महोत्सव पर मंदिर में शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आयोजन से पहले महिलाओं की ओर से गांव में कलश यात्रा भी निकाली गई।

मंदिर परिसर में प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। पूर्णाहुति में मुख्य यजमान डॉ बृजमोहन शर्मा, हेमंत शर्मा, थानाधिकारी मेहाडा रामनारायण चौधरी, मुकेश गोयल थे। इसके बाद विधि-विधान से शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा की गई। कार्यक्रम में आचार्य अभिमन्यु पारासर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सनातन धर्म को लेकर अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। भगवान ने मनुष्य के कर्मों से ही उसके जीवन की कहानी बनाई गई है। भगवान में आस्था रखने वाले ही भगवान के सच्चे भगत होते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में सनातन धर्म एवं संस्कृति का विशेष महत्व है। युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए उन्हें प्रेरित करना चाहिए।

संस्कृति का ज्ञान उस समय प्राप्त होता है जब व्यक्ति नित्य रूप से पूजा पाठ में ध्यान आकर्षित कर धर्म में आस्था रखता है। इस दौरान उन्होंने नशे से दूर रहकर धर्म के प्रति आस्था बनाए रखने की अपील भी की। सनातन धर्म व संस्कृति को बचाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर आगे बढ़ना चाहिए तथा अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित कर संस्कृति के प्रति प्रेरित करना चाहिए।

इस दौरान भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर मुकेश गोयल, ललित शर्मा, उमाशंकर शर्मा, दिलीप शर्मा, पुनीत शर्मा, रामानंद शर्मा, पवन कौशिक, ताराचंद शास्त्री, घनश्याम कसाना, दीपक कुमार, अमित शर्मा, महेंद्र कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बगड़ स्पोर्ट्स जोन एकेडमी के खिलाड़ियों ने किया जिले का नाम रोशन

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। स्पोर्ट्स जोन एकेडमी, बगड़ के खिलाड़ियों ने जयपुर में आयोजित राजस्थान ताइक्वांडो कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए झुंझुनू जिले का गौरव बढ़ाया। एकेडमी के निदेशक राकेश सैनी ने बताया कि 18 एवं 19 जुलाई को पुलिस लाइन खेलो इंडिया मल्टीपरपज़ हॉल, शास्त्री नगर, जयपुर में आयोजित राजस्थान ताइक्वांडो कप में झुंझुनू जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्पोर्ट्स जोन एकेडमी के 6 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 6 पदक अपने नाम किए। इनमें वासु सोमरा एवं वर्षा मान ने स्वर्ण पदक, शिवा चौधरी, आर्यन कुमावत एवं धर्मवीर कुमार ने रजत पदक जबकि योगेश चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर एकेडमी एवं जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता से लौटने पर सभी पदक विजेता खिलाड़ियों का स्पोर्ट्स जोन एकेडमी, बगड़ में मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर एकेडमी के निदेशक राकेश सैनी, क्रिकेट कोच निखिल सैनी, अकाउंटेंट पूनम कुमावत तथा बॉक्सिंग कोच शंकर नेटवाल ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। एकेडमी निदेशक राकेश सैनी ने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्पोर्ट्स जोन एकेडमी के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झुंझुनू जिले तथा राजस्थान का नाम रोशन करेंगे।

हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाअभियान

एक साथ लगाए 7100 पौधे

निसं

तारानगर (नवयत्न)। हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम पंचायत हड़ियाल एवं सात्यूं में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एक साथ 5100 पौधें लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास अधिकारी छगन लाल छिम्पा ने कहा कि हरियालो राजस्थान मिशन के तहत मानसून के दौरान सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण कर मरुधरा को हराभरा बनाएं। इस मौके पर हड़ियाल प्रशासक राकेश शर्मा, सात्यूं प्रशासक सुरेन्द्र मेघवाल, मंडल अध्यक्ष मदन नायक, वासुदेव शर्मा, हरियालो राजस्थान के ब्लॉक प्रभारी मुकेश नायक, अमीलाल मेघवाल, ग्राम विकास अधिकारी ऋषि कुमार शर्मा, शीशपाल स्वामी, गगन जांगिड़ आदि अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। राजपुरा ग्राम पंचायत में प्रशासक शिवराम सिहाग, ग्राम विकास अधिकारी दशरथ यादव व डॉ अमित सिहाग के नेतृत्व में ग्रामीणों ने हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाअभियान व एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत दो हजार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने अधिकाधिक पौधे लगाने तथा पौधों की नियमित देखभाल करने का सामूहिक संकल्प लिया।

निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट, शंकरा आई हॉस्पिटल, जिला अंधता निवारण समिति जयपुर व स्व. राधाकृष्ण व स्व. परमेश्वरी देवी सोनी की स्मृति में उनके परिजनों के सहयोग से 41 वां निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे श्यामलाल सोनी, चन्दादेवी सोनी, रजनीकांत सोनी, सुनीता झंवर, डॉ आशीष ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 70 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 31 मरीजों का नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन किया गया व शेष मरीजों को निःशुल्क दवाई दी गई। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन गुरुवार को आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया जाएगा। शिविर शुभारंभ पर महेश जाजू व रामोतार चांडक ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर राकेश जाजू, योगेश लढ़ा, रविन्द्र लाहोटी, रामकिशन चांडक, नरेश पेड़ीवाल, मंजू पेड़ीवाल, किरण तापड़िया, एडवोकेट कमल सोनी, मुरलीधर मण्डगिरा, नन्दकिशोर माटोलिया, महावीर रामगढ़िया, रामोतार ठठेरा शंकरा हॉस्पिटल की टीम व अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

ब्लॉक कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र संगठनों द्वारा किए गए प्रदर्शन और उसके बाद उत्पन्न घटनाक्रम के विरोध में बुधवार को लाडनूं में भी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जयराम बुरड़क के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपखंड अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया गया तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ भी केंद्र सरकार द्वारा अनुचित व्यवहार किया गया। कांग्रेस नेताओं ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग की गई कि पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा छात्रों के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग भी उठाई गई। इस दौरान मुकेश खींची, अयूब खान मोयल, पूसे खान, यज्ञ दत्त दायमा, नदीम बल्खी, प्रशासक बेगाराम पूनिया, मुमताज खान, रमजान भुट्टा सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

2 को होगा सहपाठी समूह का छठा वार्षिक समारोह

मुकुन्दगढ़ (नवयत्न)। डूंडलोद के सामाजिक संगठन रामचंद्र गोयनका स्कूल पूर्व सहपाठी समूह द्वारा आगामी 2 अगस्त को छठे वार्षिक स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए समूह सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शंकर लाल शर्मा, मुकेश पारीक, सुभाष चंद्र भूत, हुसैन खान, महेश सिंह बडगूजर, सीताराम जीनगर, सत्तू सिंह उदावत, मांगीलाल उदावत एवं रामजीलाल जांगिड़ उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने समारोह से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए तैयारियों की समीक्षा की। समूह के सदस्यों ने बताया कि डूंडलोद के सामुदायिक भवन में आयोजित होने वाले इस समारोह में 16 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, नवलगढ़ के बाल विकास परियोजना अधिकारी तथा महिला पर्यवेक्षकों का सम्मान किया जाएगा। गौरतलब है कि रामचंद्र गोयनका स्कूल पूर्व सहपाठी समूह सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहा है। समूह द्वारा वर्षभर सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। वहीं पूर्व में आयोजित वार्षिक समारोहों में शिक्षकों, सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवानों, चिकित्सकों तथा नर्सिंग स्टाफ का सम्मान कर समाज में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले लोगों का उत्साहवर्धन किया जा चुका है।

कार्यालय नगर परिषद, सीकर
राणी सती रोड़, संतोषी माता के पास, सीकर पिन कोड–332001
Email:- sikarulb.jaipur@gmail.com

क्रमांक–23448140 दिनांक– 16.07.2026

ई-निविदा सूचना/2026-27

The Offline Bid for SITC OF HYBRID INVERTER WORK are invited from intrested bider up to 23.07.2026 till 4:00 pm. Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/index.php of the state.

NIB code DLB2627A4310

S.NO.	WORK WIZSE UBN No.
01	DLB2627WSOB10344

राज.संवाद/सी/26/7360

वरिष्ठ आयुक्त
नगर परिषद, सीकर

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT DOKAN
P.S. PATAN (SIKAR)

S. NO. 132 DATE: 21-07-2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar VBGRAM-G and Other Scheme For FY 2026-27 are invited from intersted bidders till Date 31-07-2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS: 3000000/-
UBN No. PKP2627GLRC00105

PRASHASHAK VDO
G.P. DOKAN G.P. DOKAN

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT JEELO
P.S. PATAN (SIKAR)
DATE: 21-07-2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar VBGRAM-G and Other Scheme For FY 2026-27 are invited from intersted bidders till Date 31-07-2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS: 4000000/-
UBN No. PKP2627GLRC00106

PRASHASHAK VDO
G.P. JEELO G.P. JEELO

प्ररूप-10
(नियम 6(7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका मण्डावा

सं. :-1249 दिनांक :- 22/07/2026

लोक सूचना

श्री वैभव भारद्वाज पुत्र श्री सुधीश चंद्र शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी गोविन्द पुरी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक पर्यटन ईकाई (रिसोर्ट)प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
मण्डावा	ढाणी जोशियान	364/3 रकबा 1.27 हेक्टेयर	1.27 हेक्टेयर में से 11143.00 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 22.07.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका मण्डावा

कार्यालय संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग सीकर
टेलीफोन नं. 01592-256723 पता सीकर, सांवली रोड
ई मेल ddahskr@gmail.com, JD.AH.SIKAR@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक :- 2517 दिनांक:- 17/07/2026

निविदा सूचना 03/2026-27

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये इस कार्यालय के अधिनस्थ पंचायत समिति स्तर पर स्थापित बीवीएचओं फतेहपुर/लक्ष्मणगढ़/धोद/नेछवा/दांतारामगढ़/पलसाना/खंडेला/श्रीमाधोपुर/नीम का थाना/पाटन/पिपराली/अजीतगढ़ में कार्य आधार पर में कम्प्यूटर ऑपरेटर मय कम्प्यूटर (Machine With Man) कुल 12 (प्रत्येक पंचायत समिति हेतु एक) विनिर्दिष्ट पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक जो कि राजस्थान अनुबन्धित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970 कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 वस्तु एवं सेवाकर (GST) आयकर (पैन नम्बर) एवं राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1959 या इण्डियन पार्टनरशिप कम्पनी एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत हो, से आमत्रित की जाती है। निविदा की अनुमानित लागत 9.90 लाख है। विनिर्दिष्ट पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक से खुली बोली (तकनीकी-बिड व वितिय बिड) दिनांक 28.07.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली आमत्रण सुचना, विस्तृत आमंत्रण सूचना मय बोली दस्तावेज राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल http//sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

UBN: ANH2627SSOB00132

संयुक्त निदेशक
DIPR/C/12695/2026 पशुपालन विभाग, सीकर

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

पुलिस से हुई धक्का-मुक्की, बैरिकेडिंग के बीच रोका मार्च, ट्रैफिक भी रहा प्रभावित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का आंदोलन बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय के घेराव का ऐलान करते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से पैदल मार्च निकाला। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व विधायक प्रताप सिंह खाचरियावास सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसमें भाग लिया। मार्च शुरू होने से पहले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर केंद्र सरकार का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद रैली भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर रवाना हुई, लेकिन पुलिस कमिश्नरेट के निकट पहले से की गई बैरिकेडिंग के कारण पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। वहीं भाजपा मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कमिश्नरेट के सामने धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की में उलझ गए। कार्यकर्ताओं के लगातार आगे बढ़ने के प्रयास के बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज बौछारों के बाद कई कार्यकर्ता तितर-बितर हो गए। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कार्यकर्ता की तबीयत बिगड़ने से वह बेहोश हो गई, जिसे तत्काल मौके से हटाकर उपचार के लिए भेजा गया। प्रदर्शन को देखते हुए जयपुर पुलिस सुबह से ही अलर्ट मोड पर रही। संसार चंद्र रोड, गवर्नमेंट हॉस्टल सर्किल और भाजपा मुख्यालय की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को भाजपा कार्यालय तक पहुंचने से रोका। अतिरिक्त पुलिस जाब्ता भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया। कांग्रेस के पैदल मार्च और पुलिस कार्रवाई के चलते संसार चंद्र रोड, गवर्नमेंट हॉस्टल सर्किल और आसपास के क्षेत्रों में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। वाहनों की लंबी कतारें लगने पर पुलिस ने ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट कर स्थिति सामान्य बनाने का प्रयास किया।

पूर्व विधायक प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एक दिन पहले भाजपा द्वारा किया गया प्रदर्शन केवल राजनीतिक नाटक था, क्योंकि सरकार स्वयं भाजपा की है और वाटर कैनन का इस्तेमाल भी केवल दिखावे के लिए किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रणाली और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाब देने से बच रही है। उनका कहना था कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में जवाबदेही तय होनी चाहिए और इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में आंदोलन चलाया जा रहा है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा।

निजी स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। प्राइवेट स्कूल संघर्ष समिति के बैनर तले निजी स्कूल संचालकों की एक बैठक जिला मुख्यालय स्थित श्री डोट्स स्कूल में संपन्न हुई। जिसमें जिले के विभिन्न ब्लॉकों से बहुत बड़ी संख्या में स्कूल संचालकों ने भाग लिया और सरकार द्वारा निजी स्कूलों के खिलाफ चल रहे दोहरे मापदंडों जैसे शाला संभल जांच के आदेश सरकार द्वारा वापस लिया जाये, आरटीई का भुगतान जल्दी से जल्दी टाइम फ्रेम के अनुसार किया जाए, जिला परिवहन विभाग द्वारा बाल वाहिनियों पर बेवजह के चालान बंद किए जायें, नो ड्यूज बिना टीसी का आदेश वापस लिया जाए, निजी स्कूलों में अग्निशमन यंत्रों जैसा फरमान वापस लिया जाए, पीएसपी पोर्टल और यू डाइस में नाम मिस मैच को तुरंत प्रभाव से दुरुस्त किया जाए, आरटीई के तहत निजी विद्यालय में पीपी3 पीपी4 और पीपी5 में अध्यनरत बालक बालिकाओं की की फीस भी निजी स्कूलों को दी जाए आदि बिंदुओं पर चर्चा करते हुए निजी स्कूल संचालकों में काफी रोष दिखा। इसके खिलाफ आंदोलन के लिए निजी स्कूल संचालकों ने तय किया कि 28 जुलाई को सुबह 10 बजे सभी स्कूल संचालक शहर में गांधी पार्क में इकट्ठे होंगे और वहां से पैदल मार्च करते हुए एक रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे तथा वहां धरना प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही वक्ताओं ने कहा कि समय रहते सरकार की नीतियों में सुधार नहीं हुआ तो इससे भी बड़ा आंदोलन पूरे राजस्थान में देखने के लिए मिलेगा।

आजाद समाज पार्टी ने किया संगठन विस्तार

जिला एवं विधानसभा स्तरीय कार्यकारिणी गठित

बाबूलाला शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने झुंझुनू जिले में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला कार्यकारिणी तथा विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की कार्यकारिणियों का विस्तार किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद तथा प्रदेश अध्यक्ष अनिल धेनवाल के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह चारावास ने नई नियुक्तियों की घोषणा की। जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह चारावास ने बताया कि संगठन का उद्देश्य बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर और मान्यवर कांशीराम की सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित विचारधारा को शेखावाटी क्षेत्र के प्रत्येक गांव और ढाणी तक पहुंचाना है। इसके लिए समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करेगी तथा सामाजिक, राजनीतिक और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएगी। संगठन विस्तार के माध्यम से युवाओं, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों को पार्टी से जोड़ने का अभियान भी चलाया जाएगा।

जिला कार्यकारिणी का गठन

जिला कार्यकारिणी में विकास कड़वासरा देरवाला, सकील फौजी भीमसर, सुनील सिरसवा तथा सुरेन्द्र बराला पिरोहिता की ढाणी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शैलेश भारतीय इस्लामपुर को जिला महासचिव तथा रवि चंदेलिया पिलानी को जिला सचिव बनाया गया है।

झुंझुनू विधानसभा कार्यकारिणी

झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र में कमलेश काला अम्बेडकर नगर को विधानसभा अध्यक्ष, फिरोज कुरैशी को विधानसभा प्रभारी, विकास रावण माखर व नरेंद्र मार्सल चनाना को विधानसभा उपाध्यक्ष, संदीप पाटिल को विधानसभा महासचिव तथा इमरान कुरैशी को विधानसभा सचिव नियुक्त किया गया है।

नवलगढ़ विधानसभा कार्यकारिणी

नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में नरसिंह गुजराती को विधानसभा अध्यक्ष, इंद्राज सोगण को विधानसभा उपाध्यक्ष, अनिल हठवाल को विधानसभा प्रभारी, विजेन्द्र झाझड़िया को विधानसभा महासचिव तथा रविन्द्र कुमार बोयल को विधानसभा सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उदयपुरवाटी विधानसभा कार्यकारिणी

उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र में पवन मेघवाल को विधानसभा अध्यक्ष, संजय मेघवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष, अरविंद गुड़ा को विधानसभा प्रभारी, राहुल केड को विधानसभा महासचिव तथा मोंटी नेवरी को विधानसभा सचिव नियुक्त किया गया है।

संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर

महेंद्र सिंह चारावास ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपेक्षा जताई कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाकर सामाजिक न्याय और बहुजन हितों की लड़ाई को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नई जिम्मेदारियों के लिए केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

निबंध प्रतियोगिता आयोजित

निसं

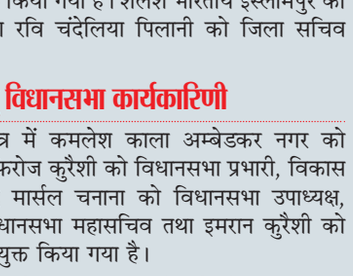

नोखा (नवयत्न)। आयकर विभाग द्वारा राठी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नोखा में आयकर विभाग द्वारा राष्ट्र निर्माण में आयकर की भूमिका विषय पर एक प्रभावशाली निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं के 38 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नोखा आयकर अधिकारी ललित छाबड़ा ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में जागरूकता और राष्ट्रभावना को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयकर निरीक्षक रणवीर सारस्वत, कार्यालय अधीक्षक नारायण और मदन लाल परिहार की मुख्य भूमिका रही ।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। बुधवार को नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग व राहुल गांधी एवं अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार तथा छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को झुंझुनू व गिडानिया ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए झुंझुनू कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजमत अली व गिडानिया ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह महला ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अहंकार में डूबी हुई है और उसने आज तक किसी भी जनआंदोलन या छात्रों की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक मामले में देशभर के छात्र न्याय की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। महला ने कहा कि छात्रों के समर्थन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया लेकिन उनके साथ कथित रूप से अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि नेताओं को थानों में बंद रखा गया और उनके साथ रातभर दुर्व्यवहार किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस प्रकार के अत्याचार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और लोकतंत्र तथा छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने केंद्र सरकार से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से हटाने, नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि छात्रों को न्याय नहीं मिला तथा दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर कांग्रेस नेता खलील बुडाना, झुंझुनूं ब्लॉक अध्यक्ष अजमत अली, पूर्व चेयरमैन तयब अली, उपसभापति राकेश झाझड़िया, प्रदीप सैनी, राजेन्द्र देनप, कार्यकारी जिला अध्यक्ष रिजवान खान, महेश महला, राहुल जाखड़, पूर्व पार्षद अब्दुल अगवान, सलीम कबाड़ी, आदिल, मंडल अध्यक्ष मुमताज अली कबाड़ी, राकेश मनफूल बिजारणिया, विजय सिंह, राकेश राहड़, दीपक चौधरी, वीरेंद्र मील, जुबेर सय्यद, तौफ़ीक़ सय्यद, नवाब घोसी, खलील चेजारा, जगदीश सिहाग, इरफान कबाड़ी, जुल्फीकार खोखर, सुनील भांबू, सुभाष आल्हा, इकबाल मलवान, रामनारायण कुमावत, राजा पूनिया, मोशीन सुल्ताना, दीपक सिलाइच, राजेंद्र कुमावत, अदनान रहमानी, अयूब कबाड़ी, मधु खन्ना, रियाज चायल, मो कैफ, तौफीक रहमानी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 2 हजार पौधों का रोपण

निसं

बीदासर (नवयत्न)। राज्य सरकार के हरियालो राजस्थान-2026 अभियान के तहत बुधवार को ग्राम पंचायत तेहनदेसर में ब्लॉक स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर चूरू के निर्देशानुसार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव ने की। वन महोत्सव के अंतर्गत ग्राम पंचायत तेहनदेसर स्थित राम सागर तालाब की चारागाह भूमि को हरित विकसित करने की दिशा में विशेष अभियान चलाया गया। कार्यक्रम से पूर्व 2 हजार पौधों के रोपण के लिए गड्ढे तैयार किए गए थे। इसके बाद अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से 2 हजार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया ताकि आने वाले समय में यह क्षेत्र घने हरित वन के रूप में विकसित हो सके। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं बल्कि उनका संरक्षण कर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाना है। उन्होंने ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। विकास अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि वन महोत्सव के माध्यम से चारागाह भूमि का हरित विकास किया जा रहा है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भूजल स्तर में सुधार, जैव विविधता का संरक्षण तथा पशुओं के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधरोपण से हरित आवरण बढ़ेगा और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में सहायक अभियंता इंद्रपाल सिंह नायक, सहायक विकास अधिकारी हंसराज मीणा, सरपंच प्रतिनिधि देवी सिंह राठौड़, कनिष्ठ अभियंता मांगीलाल सैनी, ग्राम विकास अधिकारी मदन नाथ सिद्ध, कनिष्ठ सहायक भगवान नाथ सिद्ध, पटवारी नोरतन मीणा सहित पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

नेत्र जांच शिविर का राज्य मंत्री नायक ने किया अवलोकन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय माहेश्वरी भवन में लायंस क्लब एवं शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में, जिला अंधता निवारण समिति जयपुर तथा मालाराम प्रजापत, मुरलीधर अमित प्रजापत के सौजन्य से स्व. ज्ञानाराम, स्व. सोना देवी तथा स्व. पेमाराम एवं आशा देवी प्रजापत की स्मृति में बुधवार को क्लब का 35 वां नेत्र चिकित्सा, नेत्रदान पंजीयन एवं लेंस प्रत्यारोपण चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में मंत्री राज्य मंत्री राजेंद्र कुमार नायक, समाजसेवी धनराज घोड़ला, क्लब अध्यक्ष एडवोकेट रजनीकांत सोनी, जॉन चेयरपर्सन लॉयन प्रशांत पारीक एवं शंकरा आई हॉस्पिटल के डॉ अनिकेत कुशवाहा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर राज्य मंत्री राजेंद्र नायक ने अपने उद्बोधन में लायंस क्लब के सेवा प्रकल्पों की सराहना करते हुए कहा कि नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से लोगों को पुन: दृष्टि प्रदान करना अत्यंत पुण्य का कार्य है और मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ टीम द्वारा 152 रोगियों की जांच की गई, जिनमें से 58 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। भामाशाह मालाराम, अमित प्रजापत एवं सत्यम परिवार के सुरेश अरोड़ा एवं महेश अरोड़ा ने शिविर का अवलोकन किया एवं व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। डिस्ट्रिक कोर्डिनेटर एमजेएफ लॉयन कमल तापड़िया ने बताया कि शिविर में रोगियों को नि:शुल्क दवाइयां एवं चश्मे वितरित किए गए। उन्होंने शिविर की सफलता हेतु सभी सहयोगियों का आभार जताया। शिविर में एमजेएफ लॉयन कमल तापड़िया, प्रशांत पारीक, अशोक जाजू, एडवोकेट रजनीकांत सोनी, देवेंद्र बेदी, मधुसूदन शर्मा, अंकित चोटिया, विनोद नवहाल, कैलाश तंवर, रुपेश शर्मा, सुनीता तापड़िया, सुनीता रावतानी, सुनीता बेदी, मोनिका सोनी, चित्रा जगवानी, कविता गोयल, मोहम्मद अनवर मौलानी, जावेद, नावेद, गोपालचंद सोनी, गिरधारी प्रजापत आदि ने सेवाएं प्रदान की।

अवैध रूप से गांजा रखने के दो आरोपियो को कठोर कारावास एवं जुर्माना

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। झुंझुनू के स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम मामलो के विशिष्ट न्यायाधीश (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सुनिल कुमार पंचोली द्वारा बुधवार को दिये निर्णय में अपने कब्जे में अवैध रूप से सात किलो 300 ग्राम गांजा मय बारदान रखने के दो आरोपियों क्रमश: भूपेन्द्र स्वामी उर्फ चिपेश पुत्र ग्यारसीलाल निवासी वार्ड नम्बर 3 जाटावास बगड़ पुलिस थाना बगड़ व धर्मवीर उर्फ रामधन पुत्र सुभाषचंद्र निवासी वार्ड नम्बर 3 इस्लामपुर पुलिस थाना बगड़ को तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास एवं 30-30 हजार रूपये जुर्माने से दण्डित किया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर दोनों आरोपियों को तीन-तीन माह का अतिरिक्त कठोर कारावास और भुगतना होगा। मामले के अनुसार 16 अक्टूबर 2023 को बगड़ थाने के तत्कालीन थानाधिकारी रामनारायण द्वारा विधानसभा चुनाव 2023 को मध्य नजर रखते हुये बगड़ बाइपास रोड पर जयपहाड़ी चौराहे के निकट सायं को नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों को चैक कर रहे थे तो नाकाबंदी के दौरान रात्री 8:50 बजे झुंझुनू की तरफ से एक स्वीफ्ट कार आरजे 18 सीडी 3495 आई जिसे रूकवाया किन्तु पुलिस जाब्ता को देखकर चालक गाड़ी को घुमाकर भगाने की कोशिश की जिसे रूकवाया गया तो कार में दो व्यक्ति बैठे मिले तथा दोनो व्यक्तियों के बीच में गियर के पास एक प्लास्टिक का कट्टा पड़ा दिखाई दिया। पुलिस ने पूर्ण रूप से विधिक कार्यवाही करते हुये उक्त कार की तलाशी ली व वाहन को चैक किया तो वाहन में सवार दो जनो के मध्य मिले प्लास्टिक कट्टे में मादक पदार्थ गांजा मिला जिसका कुल वजन 7 किलो 300 ग्राम हुआ। पुलिस ने कार में सवार लोगो से गांजे को परिवहन करने के सम्बन्ध में लाईसेंस व परमिट मांगा तो उन्होंने अपने पास कोई लाईसेंस व परमिट नहीं होना बताया। इस पर पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुये भूपेन्द्र स्वामी उर्फ चिपेश व धर्मवीर उर्फ रामधन को गिरफ्तार कर लिया व बरामद गांजे को तथा कार को जब्त कर लिया व बाद जांच दोनो आरोपियों भूपेन्द्र स्वामी उर्फ चिपेश व धर्मवीर उर्फ रामधन के विरूद्ध सम्बन्धित न्यायालय में चालान पेश कर दिया। राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे विशिष्ट लोक अभियोजक रामावतार ढाका ने इस मामले में 12 गवाहान के बयान करवाये तथा 64 दस्तावेज प्रदर्शित करवाते हुये न्यायालय में तर्क दिया कि नशे की बढ़ती प्रवृति को देखते हुये आरोपीगण को सख्त से सख्त सजा दी जाये। न्यायाधीश ने पत्रावली पर आई साक्ष्य का बारिकी से विशखेषण करते हुये आरोपीगण को उक्त सजा व जुर्माना के साथ-साथ न्यायालय ने इस मामले में प्रयुक्त जब्तशुदा स्वीफ्ट कार आरजे 18 सीडी 3495 को अधिहरण किये जाने का भी आदेश दिया तथा यह भी आदेश दिया कि अपील की मियाद गुजरने के बाद अथवा अपील नहीं होने की सूरत में नियमानुसार इस कार को निलाम कर राशि राजकोष में जमा करायी जाये।

पूर्व विधायक महर्षि ने सुनी आमजन की समस्याएं

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने स्थानीय भाजपा कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में बिजली, पेयजल, सड़क, राजस्व, पेंशन, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, पुलिस एवं नगर पालिका से जुड़े मामलों सहित विभिन्न विभागों की समस्याएं सामने आई। महर्षि ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर समस्याओं के शीघ्र एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी नागरिक को अपने अधिकारों के लिए अनावश्यक परेशान नहीं होना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190